आश्विन कृष्ण - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 54 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 16-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'भयमुत कारोबार' का नया केंद्र बना उारप्रदेश : योगी

6 नेपाल के हिंसक विद्रोह की गहराई से पड़ताल आवश्यक

7 इमरजेंसी के समय का माहौल मैंने अपनी आँखों से देखा है : अनुपम खेर

फर्स्ट टेक

ट्रंप ने टिकटॉक को लेकर सौदा होने का संकेत दिया

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया साइट पर अपने एक पोस्ट में कहा है कि अमेरिका और चीन के अधिकारियों के बीच बैठक अच्छी रही और उस एक 'खास कंपनी' के संबंध में सौदा हो गया है जिसे हमारे देश के युवा बहुत हद तक बचाना चाहते थे। ट्रंप की टिप्पणी से संकेत मिलता है कि यह कंपनी 'टिकटॉक' है, जो चीन से जुड़ी एक सोशल मीडिया कंपनी है। अमेरिकी कानून के अनुसार 'टिकटॉक' के समक्ष केवल दो विकल्प हैं, या तो यह खुद को बेच दे या फिर अमेरिका में अपना परिचालन बंद कर दे। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने 'टिकटॉक' के भविष्य को लेकर बार-बार समय सीमा बढ़ाई है और रविवार शाम पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने किसी समझौते पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई।

चीन ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति के लिए अपना गुप्त सैन्य परिसर खोला

बीजिंग/भाषा। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को चीन में एक गुप्त सैन्य परिसर का दौरा कराया गया जहां उन्होंने संयुक्त रक्षा उत्पादन बढ़ाने की बात कही। जरदारी इस विशाल परिसर का दौरा करने वाले पहले विदेशी राष्ट्राध्यक्ष हैं। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तानी सेना के संवैधानिक प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभालने वाले जरदारी ने रविवार को 'एविएशन इंडस्ट्री कॉरपोरेशन ऑफ चाइना' (एवीआईसी) का दौरा किया जहां उन्हें सबसे उन्नत सैन्य उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई और इसमें विशेष रूप से नए लड़ाकू विमान भी शामिल थे। जरदारी के कार्यालय ने इस्लामाबाद में एक बयान में कहा कि उन्हें एवीआईसी की उन्नत क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें जे-10 लड़ाकू विमान, पाकिस्तान के साथ मिलकर बनाए जाने वाले जेएफ-17 थंडर समेत जे-20 विमान में प्रगति आदि शामिल है।

पंजाब में 385 करोड़ का फर्जी बिलिंग घोटाला उजागर

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के आबकारी एवं कराधान मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सोमवार को कहा कि उनके विभाग ने 385 करोड़ रुपये के फर्जी लेनदेन से जुड़े घोटाले में कथित संलिप्तता के सिलसिले में सात व्यक्तियों के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की हैं। उन्होंने बताया कि इसमें 69 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी हुई है। चीमा ने कहा कि 12 सितंबर को एक कंपनी और उसके दो निदेशकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में फर्जी कंपनियों के एक जटिल नेटवर्क का पता चला, जिसमें दो और कंपनियां शामिल थीं।
ये बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की

16-09-2025 सूर्यास्त 6:09 बजे | 17-09-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
81,785.74	25,069.20
(-118.96)	(-44.80)

सोना	चांदी
11,081 रु.	136,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घात-प्रतिघात

अब फिर चुनाव के चक्कर में,
लो नींद उड़ गई रातों की।
कर रहे आज मनमानी सब,
सुन-सुन मनचाही बातों की।
बन गए मोहरे नेतागण,
चालें हैं सिर्फ बिसातों की।
कर रहे सभी छुप कर हमले,
हो रही सियासत घातों की।।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से उच्चतम न्यायालय का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पीठ ने कहा, ''हमें ऐसा नहीं लगता कि पूरे कानून के प्रावधानों पर रोक का कोई मामला बनता है। इसलिए, अधिनियम पर रोक के अनुरोध को खारिज किया जाता है।''
- पीठ ने केंद्रीय वक्फ परिषद को निर्देश दिया कि कुल 20 में से चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए, और राज्य वक्फ बोर्डों में 11 में से तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए।

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी शामिल है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने पूरे कानून पर स्थगन से इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इस विवादास्पद मुद्दे पर 128 पन्नों के अपने अंतरिम आदेश में कहा, ''पूर्व धारणा हमेशा कानून की संवैधानिकता के पक्ष में होती है और हस्तक्षेप केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में किया जा सकता है।''

पीठ ने कहा, ''हमें ऐसा नहीं लगता कि पूरे कानून के प्रावधानों पर रोक का कोई मामला बनता है। इसलिए, अधिनियम पर रोक के अनुरोध को खारिज किया जाता है।'' हालांकि, ''पक्षों के हितों की रक्षा'' और '''बैलेंसिंग द इक्विटीज'' के लिए, न्यायालय ने जिलाधिकारी को वक्फ संपत्तियां तय करने के लिए दी गई शक्तियों सहित कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी तथा वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम भागीदारी के मुद्दे पर आदेश जारी किया।

''बैलेंसिंग द इक्विटीज'' वह कानूनी सिद्धांत है, जिसके तहत न्यायालय विवाद में शामिल सभी पक्षों के संभावित लाभ और हानि के साथ-साथ व्यापक सार्वजनिक हितों को भी ध्यान में रखता है, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि निषेधाज्ञा जैसी न्यायसंगत राहत प्रदान की जाए या नहीं। पीठ ने केंद्रीय वक्फ परिषद को निर्देश दिया कि कुल 20 में से चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए, और राज्य वक्फ बोर्डों में 11 में से तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए।

आदेश में कहा गया है, ''संशोधित वक्फ अधिनियम की धारा 3 के खंड (आर) का वह भाग जिसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो यह दर्शाता या प्रदर्शित करता है कि वह कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा है, उस वक्त तक स्थगित रहेगा जब तक कि राज्य सरकार द्वारा यह निर्धारित करने की प्रक्रिया के लिए नियम नहीं बनाए जाते कि व्यक्ति कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहा है या नहीं।'' शीर्ष अदालत ने उस प्रावधान पर भी रोक लगा दी जिसमें कहा गया है कि किसी संपत्ति को ''उस वक्त तक वक्फ संपत्ति नहीं माना जाए जब तक कि नामित अधिकारी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप देता।'' इसके अलावा, एक अन्य प्रावधान, जिसमें कहा गया है कि नामित अधिकारी द्वारा संपत्ति को सरकारी संपत्ति घोषित करने के मामले में, उसे राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन करना होगा और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट सौंपनी होगी।

न्यायालय ने कहा, ''जब तक संशोधित वक्फ अधिनियम की धारा 3सी के तहत वक्फ संपत्ति के स्वामित्व से संबंधित मामले का, धारा 83 के तहत अधिकरण द्वारा शुरू की गई कार्यवाही में अंतिम रूप से निर्णय नहीं हो जाता, न तो वक्फ को संपत्ति से बेदखल किया जाएगा और न ही राजस्व रिकॉर्ड व वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में की गई प्रविष्टियां प्रभावित होंगी।''

उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर में अनुकरणीय भूमिका के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में यह जानकारी दी गयी। मोदी ने यहां विजय दुर्ग (पूर्व में फोर्ट विलियम) स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय में तीन दिवसीय संयुक्त कमांडर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद ''भारतीय सशस्त्र बल विजन 2047'' दस्तावेज भी जारी किया। बयान में कहा गया है कि यह दस्तावेज भविष्य के लिए तैयार भारतीय सशस्त्र बलों का मार्ग प्रशस्त करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में शामिल हुए, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस तरह का पहला सम्मेलन है।

हिंदुओं के धर्मांतरण पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बयान से बवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा है कि ''अगर हिंदू समुदाय में समानता होती, तो धर्मांतरण नहीं होता। उन्होंने कहा कि कुछ लोग व्यवस्था के कारण धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। अगर हिंदू समाज में समानता और समान अवसर होते, तो धर्म परिवर्तन क्यों होता? समाज में छुआछूत क्यों आई?'' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हिंदुओं के धर्मांतरण पर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर हिंदू समुदाय में समानता होती, तो धर्मांतरण नहीं होता। सिद्दरामय्या ने यह टिप्पणी बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए की। एक सवाल के जवाब में सिद्दरामय्या ने मैसूरु में कहा, कुछ लोग व्यवस्था के कारण धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। अगर हिंदू समाज में समानता और समान अवसर होते, तो धर्म परिवर्तन क्यों होता? छुआछूत क्यों आई?

मुसलमानों और ईसाइयों में असमानता के बारे में पूछे जाने पर सिद्दरामय्या ने आगे कहा, 'जहां कहीं भी असमानता है- चाहे वह मुसलमानों में हो या ईसाइयों में, न तो हमने और न ही भारतीय जनता पार्टी ने लोगों से धर्म परिवर्तन करने के लिए कहा है। लोगों ने धर्म परिवर्तन किया है। यह उनका अधिकार है। मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी ने उन्हें मुसलमानों से समानता के मुद्दे पर सवाल उठाने की चुनौती दी है।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने हिंदू धर्म पर की गई इस टिप्पणी के लिए सिद्दरामय्या पर निशाना साधा। उन्होंने पूछा, 'जब समानता की बात आती है, तो आप हमेशा हिंदू धर्म को निशाना बनाते हैं... है ना मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या? क्या आपमें समानता के मुद्दे पर मुसलमानों से सवाल करने का साहस है?' भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि सिद्दरामय्या की राजनीतिक विचारधारा केवल हिंदू धर्म और हिंदू रीति-रिवाजों को बदनाम करने और अन्य धर्मों के अनुयायियों को खुश करने के लिए है।

एआई सुरक्षा को लेकर भारत ने प्रौद्योगिकी-विधिक दृष्टिकोण अपनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) सुरक्षा को लेकर भारत ने एक प्रौद्योगिकी-विधिक दृष्टिकोण अपनाया है और सरकार का झुकाव नियमन से अधिक नवाचार की ओर है।

वैष्णव ने नीति आयोग की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, दुनिया के कई हिस्से एआई सुरक्षा को केवल कानूनी चुनौती मानते हैं और वे कानून बनाकर पारित कर लेने से यह मान लेते हैं कि एआई सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी। उन्होंने कहा, लेकिन भारत ने अलग दृष्टिकोण अपनाया है। हमारा एआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट एक वर्चुअल नेटवर्क है, जहां प्रत्येक बिंदु किसी एक विशिष्ट समस्या का समाधान कर रहा है।

वैष्णव ने कहा कि जब नवाचार और नियमन के बीच चुनाव करना होता है, तो भारत का झुकाव नवाचार की ओर रहता है। उन्होंने यूरोप और अन्य क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां प्रवृत्ति कानूनी और नियामकीय संस्थान बनाने की है, जबकि भारत में प्रौद्योगिकी को विकसित और अपनाने पर अधिक जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण अब तक सफल रहा है और आगे भी मदद करेगा, खासकर उन दूर-दराज़ इलाकों में जहां लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी समाधान जरूरी हैं।

अमित शाह 4,794 करोड़ के जब्त मादक पदार्थ नष्ट करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश के विभिन्न हिस्सों से जब्त किए गए 4,794 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया मंगलवार को शुरू करेंगे।

शाह ने सोमवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार भारत के सभी मादक पदार्थ-रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) को एकजुट करके मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए दृढ़ है। गृह मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' एक पोस्ट में कहा कि मादक पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया मंगलवार को यहां शुरू होने वाले एएनटीएफ प्रमुखों के द्वितीय राष्ट्रीय सम्मेलन में शुरू की जाएगी।

आईडब्ल्यूटी के तहत आने वाली नदियों का पानी भारत की ओर मोड़ने के लिए सभी प्रयास जारी : पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने सोमवार को कहा कि सरकार भारतीय राज्यों में पानी की कमी को पूरा करने के लिए निलंबित सिंधु जल संधि के तहत आने वाली नदियों का पानी मोड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ हैं, इसलिए वह ज्यादा बात नहीं करना चाहेंगे। हालांकि उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिए गए निर्णय को गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की भागीदारी से लागू किया जा रहा है। इससे देश को बड़ा लाभ होगा।

पाटिल ने आधार इंफ्रा कॉन्फ्लुएंस 2025 के दौरान एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा, हम हरसंभव प्रयास कर रहे हैं ताकि बहुत जल्द इस पानी को मोड़ा जा सके और हमारे देश में पानी की कमी का सामना कर रहे राज्यों को पानी मिल सके। वहां के किसान समृद्ध होंगे और लोगों की पानी की समस्या का समाधान होगा।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों के हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था।

नदियों के पुनरुद्धार पर अपनी बात रखते हुए, पाटिल ने नमामि गंगे कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कुंभ के दौरान लगभग 60-70 लाख श्रद्धालुओं के पवित्र स्नान के बावजूद, अपशिष्ट जल के उपचार के कारण नदी स्वच्छ बनी रही।

सरकार का पांच साल में वाहन क्षेत्र को शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्य : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन 2025' का उद्घाटन करते हुए कहा कि वाहन क्षेत्र सरकार को सबसे अधिक जीएसटी राजस्व देता है और रोजगार के अवसर पैदा करता है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''हमारा लक्ष्य पांच साल के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष स्थान वाला बनाना है।''

गडकरी ने बताया कि देश में दुनिया की सभी बड़ी वाहन कंपनियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपए था। अब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपए है।''

इस समय अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपए है। उसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपए) और भारत (22 लाख करोड़ रुपए) का स्थान है।

मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, ''हमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अच्छा बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा।''

रिटर्न दाखिल करने के अंतिम दिन उपयोगकर्ता हुए परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- आयकर विभाग ने बढ़ायी 16 सितम्बर तक समयसीमा
- बड़ी संख्या में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा 15 सितंबर से आगे बढ़ाने की मांग की।

नई दिल्ली/भाषा। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख होने का कारण कर विभाग के पोर्टल पर सोमवार को बड़ी संख्या में लोगों ने लॉगइन किया। इस कारण उपयोगकर्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा और उन्होंने सोशल मीडिया पर गड़बड़ियों की शिकायत की।

बड़ी संख्या में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा 15 सितंबर से आगे बढ़ाने की मांग की।

दूसरी ओर विभाग ने कहा कि पोर्टल ठीक से काम कर रहा है और व्यक्तियों, एचयूएफ और उन लोगों द्वारा आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाने का कोई संकेत नहीं दिया, जिन्हें वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए अपने खातों का ऑडिट नहीं कराना है।

वित्त वर्ष 2024-25 में अर्जित आय के लिए बिना जुर्माने के आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है।

पिछले कुछ दिनों में कई चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य लोगों ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि आयकर पोर्टल पर कर भुगतान और एआईएस (वार्षिक सूचना विवरण) डाउनलोड करते समय गड़बड़ियां आ रही हैं।

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने सोमवार को यह भी शिकायत की कि वे ई-फाइलिंग पोर्टल में लॉग इन नहीं कर पा रहे हैं।

दूसरी ओर आयकर विभाग ने स्पष्ट किया कि आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। विभाग ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के विपरीत उसने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की अंतिम तारीख को आगे नहीं बढ़ाया है।

आयकर विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट में सोशल मीडिया पर प्रसारित एक बयान को फर्जी करार दिया, जिसमें कहा गया था कि आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 सितंबर, 2025 तक बढ़ा दी गई है। विभाग ने करदाताओं से किसी भी सूचना के लिए केवल खपलेशढरखपवळर हैंडल पर भरोसा करने का अनुरोध किया। विभाग ने कहा, ''आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 15 सितंबर 2025 ही है।''

आयकर विभाग ने सोमवार सुबह ऐसी ही एक पोस्ट के जवाब में कहा, ''ई-फाइलिंग पोर्टल ठीक काम कर रहा है। कृपया अपना ब्राउजर साफ करें या किसी दूसरे ब्राउजर से पोर्टल पर पहुंचने की कोशिश करें।'' आयकर विभाग ने कहा कि करदाताओं को आईटीआर दाखिल करने, कर भुगतान और अन्य संबंधित सेवाओं में मदद के लिए उसकी हेल्पडेस्क लगातार काम कर रही है, और फोन, लाइव चैट, वेबएक्स सत्र और एक्स के जरिये करदाताओं की मदद की जा रही है।

कर्नाटक के पूर्व मंत्री पर सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। सीबीआई ने वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम 'घोटाले' के सिलसिले में सोमवार को कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के परिसरों के साथ ही राज्य तथा आंध्र प्रदेश में 15 अन्य स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस मामले में कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के खातों से नागेंद्र के रिश्तेदारों के निजी बैंक खातों में सरकारी धन हस्तांतरित करने के गंभीर आरोप हैं। वर्ष 2006 में स्थापित, कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) विकास निगम की स्थापना राज्य में एसटी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से विकासात्मक योजनाओं को लागू करने के लिए की गई थी।

'जीतो' साउथ लेडीज़ विंग की दो दिवसीय प्रदर्शनी 'उड़ान' गुरुवार से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग के तत्वावधान में दो दिवसीय वार्षिक प्रदर्शनी 'उड़ान' का बारहवाँ संस्करण 18 और 19 सितम्बर को वीवीपुरम स्थित महावीर धर्मशाला में आयोजित होगा। इस आयोजन को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने बताया कि उड़ान प्रदर्शनी सिर्फ़ वस्तुओं का नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का भी कारोबार है। हमारा उद्देश्य केवल व्यापार बढ़ाना नहीं, बल्कि महिलाओं को बड़े सपने देखने का अवसर प्रदान करना है। इस प्रदर्शनी में कुल 120 स्टॉल्स में से 15 प्रतिशत साधर्मिक महिला उद्यमियों के लिए आरक्षित हैं ताकि उन्हें सहयोग मिले। ज़्संयोजिका संगीता सियाल और सहसंयोजिका चंद्रा जैन ने बताया कि प्रदर्शनी में डिज़ाइनर साड़ियाँ, कुर्तियाँ, गहने, होम डेकोर, बच्चों के कपड़े, खाद्य पदार्थ और रोचक खेल आदि के स्टॉल लगाए जाएंगे। अब तक 50 प्रतिशत स्टॉल बुक हो चुके हैं। बैठक में फूड, कूपन, हॉस्पिटेलिटी, डेकोर, लकी ड्रॉ और स्पॉन्सर कनेक्ट जैसी टीमें बनाई गईं। उड़ान प्रदर्शनी के मुख्य प्रायोजक पीटेक्स कम्पनी है। सहप्रायोजक हैं पारस पैकेजिंग और रिश्ते-दि सिल्वर स्टूडियो। इसके अलावा अन्य प्रायोजक भी है। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने प्रदर्शनी की रूपरेखा बताई। बैठक में उप चेयरपर्सन लता बोहरा, नीलम सांड, सहमंत्री साक्षी नाहर, चंद्रा जैन, कोषाध्यक्ष संगीता पारख सहित प्रबंधन समिति की अनेक सदस्या शामिल थीं।

'वॉइस ऑफ तेरापंथ बेंगलूरु' सेमीफाइनल में गूंजे श्रद्धा के स्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ के आचार्यश्री भिक्षु की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में गतिमान 'वॉइस ऑफ तेरापंथ' प्रतियोगिता के सेमीफाइनल का आयोजन गांधीनगर भवन में मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी एवं आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में हुआ। बेंगलूरु स्तरीय इस प्रतियोगिता के द्वितीय चरण में चयनित कुल 22 प्रतिभागियों में से 20 प्रतिभागियों ने आचार्य भिक्षु एवं आचार्य तुलसी पर आधारित भजन प्रस्तुत किए तथा रवि नाहटा एवं तूफान मांडोत ने उनकी प्रतिभाओं का मूल्यांकन कर फाइनल राउंड के लिए प्रतिभागियों का चयन किया। पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी ने कहा कि प्रतियोगिता में बेंगलूरु क्षेत्र की अनेक नई प्रतिभाएं उभर कर सामने आई हैं। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। महासभा के प्रकाश लोढ़ा ने शुभकामनाएं दी। अंत में विजेता प्रतिभागियों सहित अन्य प्रतिभागियों तथा निर्णायकों का सम्मान सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली एवं टीम ने किया। संचालन सहसंयोजक गगन बरड़िया ने किया। कार्यक्रम प्रभारी नवनीत मुथा ने धन्यवाद दिया।

गुरु दर्शनार्थ यात्रा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की 75 सदस्याओं ने गुरु दर्शनार्थ चित्त समाधि हवाई यात्रा संघ के तहत अहमदाबाद में विराजित तेरापंथ के आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन किए। सायर-हीरालाल मालू के सौजन्य से आयोजित इस संघ में महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने आचार्यश्री को चातुर्मासिक कार्यों की जानकारी देते हुए कृतज्ञता ज्ञापित की। आचार्यश्री ने मंडल की सदस्याओं को आशीर्वाद देते हुए हमेशा अच्छे कार्य करने की बात कही। मंडल की सदस्याओं ने आचार्यश्री सहित मुख्य मुनि महावीर कुमारजी, साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी, साध्वीश्री संबुद्धयशा जी आदि साधु साध्वियों के दर्शन किए। इस चित्त समाधि हवाई यात्रा संघ में सायर मालू, मंडल की उपाध्यक्ष व संघ संयोजिका किरण गिलुण्डिया, दमयंती कटारिया सहित अनेक सदस्याएं शामिल थीं।

शांतिनाथ मूर्तिपूजक संघ बिलावास का क्षमापना महोत्सव सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ बिलावास के तत्वावधान में संघ का 15वां क्षमापना महोत्सव रविवार को केन्टोमेन्ट स्थित मुनिसुव्रत स्वामी धर्मशाला में मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष संघवी इंदरचंद बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए क्षमायाचना की। बोहरा ने संघ की विभिन्न योजनाओं को उपस्थित जनों के समक्ष प्रस्तुत किया।

उत्तमचंद आच्छा ने क्षमायाचना विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। संघ की साधारण सभा में हस्तीमल देसरला ने आय व्यय का ब्यौरा पेश किया। संघ के सचिव नरेंद्र आच्छा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बिलावास में किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की जानकारी दी। इस मौके पर संघ के अनेक सदस्य परिवार उपस्थित थे।

मनुष्य को बुरे कर्मों से बचना चाहिए : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जग में मनुष्य का कोई नहीं होता है। जो भी हो रहा है वह सब कर्मों का ही असर है। कोई नर महल में बैठ कर जीवन का आनंद ले रहा है तो कोई गठरी उठा कर कष्ट झेल रहा है। नजर भर के देख लो यह सब कर्मों का ही खेल है। कोई पालकी में बैठा है तो कोई उसे उठाता है । सब कर्म की ही बात है। कोई मौज करता है तो कोई आह करता है। कभी कभी कर्म का भुगतान हाथों हाथ हो जाता है। कुछ मामलों में थोड़ा समय लगता है, लेकिन कुछ कर्म ऐसे होते है जिसमें तुरंत फल मिल जाता है। साधु संत भी अलग-अलग होते हैं। सभी की पुण्यवाणी अलग अलग होती है। साधना और संयम से ही पुण्यवानी बढ़ती है। साधना से मनुष्य का अपने आप ही चेहरा चमक जाता है। साधु संतों का काम जप, तप सामयिक करना होता है। संसार में हर तरह के लोग होते हैं। कोई बुद्धिमान है तो कोई मूर्ख है। यह सब अपने कर्मों और पुण्यवानी का खेल है। अच्छे संस्कार वालों को सभी इज्जत देते हैं। संत इंद्रियों के विजेता होते हैं, जो मिलता है उसमें वह खुश रहते हैं। कषाय को दूर करने वाले ही साधु संत कहलाते हैं। सिर्फ बाल दाढ़ी बढ़ाने से कोई संत नहीं होता है। उसके लिए तप त्याग करना होता है। ज्ञगुरुदेव ने कहा कि जो जैसा करता है वैसा ही भरता है, इसलिए बुरे कर्मों से बच जाना चाहिए। इस मौके पर गौतमचंद धारीवाल व श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, महावीरचंद मकाणा, प्रकाशचंद बाफना आदि ने संतश्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया ।

'एक शाम गौमाता के नाम' भजन संध्या में उमड़े गोभक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शिव गो सेवा भजन मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार को पैलेस ग्राउंड पर राजस्थान पोकरण विधानसभा क्षेत्र के विधायक महंत प्रतापपुरी, नारायण नाथ महाराज, भोपाल की पूर्व सासंद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, अग्निनृत्य कलाकार पूरणनाथ, लक्ष्मणरामनाथ योगी के सान्निध्य में 'एक शाम गौ माता के नाम' विशाल भक्ति संध्या का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान से आए भजन गायक रमेश माली, ओम मुडेल ने भजनों की प्रस्तुति दी। मुडेल ने भजनों व कथाओं के माध्यम से गोमाता की महत्ता बताई। महंत प्रतापपुरी महाराज ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को नशे से दूर रहने की सलाह दी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी व गोभक्त महेंद्र मुणोत ने कहा कि गाय की सेवा कर हम अपना जीवन धन्य कर सकते है। घर में गाय पालने से सभी प्रकार के वास्तु दोष व नकारात्मक उर्जा नष्ट हो जाती है। मुणोत ने गोसेवार्थ आर्थिक सहयोग देते हुए भक्तों को गोसेवा के लिए प्रेरित किया।

भारत को विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर पहुंचाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जाना चाहिए : नायडू

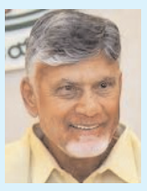

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत को विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर पहुंचाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जाना चाहिए। सचिवालय में जिलाधिकारियों से संबंधित सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान से चौथे स्थान पर लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की। नायडू ने कहा, ''हमें भारत को नंबर एक बनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध अब असमान शक्ति संतुलन से आगे बढ़कर बराबरी के स्तर पर पहुंच गए हैं और यह आपसी लेन-देन एवं सहयोग पर आधारित हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने सभी राज्यों में महिला सशक्तीकरण पर समिति बनाने की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को बजटीय आवंटन में लैंगिक जवाबदेही जैसे मुद्दों के समाधान के लिए सभी राज्यों में महिला सशक्तीकरण पर विधायी समितियां गठित करने की जोरदार वकालत की।

बिरला ने महिला सशक्तीकरण पर संसदीय और विधानमंडलीय समितियों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में अपने उद्बोधन में कई राज्यों की विधानसभाओं में इस तरह की समितियां नहीं होने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, ''मैं जल्द ही राज्य विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों को पत्र लिखूंगा कि महिला सशक्तीकरण और बाल विकास पर विधायी समितियों का गठन किया जाए।''

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कुल 29 राज्यों में से 16 में महिला सशक्तीकरण पर विधायी समितियां हैं और शेष राज्यों के लिए भी महिलाओं के मुद्दों पर संबंधित विधानसभाओं और राज्य सरकारों को सुझाव देने के लिए ऐसी समितियों का गठन करना आवश्यक है।

बिरला ने कहा, ''हम लखनऊ में पूरे भारत के पीठासीन अधिकारियों के आगामी सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।'' उन्होंने कहा कि जिस तरह लोक लेखा समिति वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करती है, उसी तरह महिला सशक्तीकरण समितियां भी बजटीय आवंटन में लैंगिक जवाबदेही सुनिश्चित कर सकती हैं। उन्होंने एक ऐसा माहौल बनाने की जरूरत पर ज़ोर दिया जहां एक युवती बिना किसी डर के शिक्षा प्राप्त करने, नौकरशाही की बाधाओं के बिना व्यवसाय शुरू करने और बिना किसी पूर्वाग्रह के नेतृत्व करने का सपना देख सके।

बिरला ने कहा, ''आने वाले दिनों में, स्वदेशी उत्पादों के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि महिलाएं पहले से ही स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी देश को सही मायने में तभी विकसित कहा जा सकता है जब उसकी आधी आबादी विकास की मुख्यधारा में पूरी तरह और सक्रिय रूप से भाग ले सके।

बिरला ने कहा, ''महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास कोई विकल्प नहीं है; यह एक आवश्यकता है। यह एक ऐसा दृष्टिकोण है जो महिलाओं को न केवल लाभार्थी के रूप में, बल्कि विकास की प्रक्रिया के चालक, निर्माता और नेता के रूप में स्थापित करता है।''

इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के राज्यपाल सैयद अब्दुल नजीर ने भी अपने विचार रखे।

नियामकीय उपायों से नवोन्मेषण को बढ़ावा मिलना चाहिए : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को ऐसे नियामकीय उपायों की जरूरत पर जोर दिया, जो तकनीकी नवोन्मेषण, विशेष रूप से कृत्रिम मेधा (एआई) को जिम्मेदारी के साथ बढ़ावा दें, न कि उसे हतोत्साहित करें। उन्होंने नीति आयोग की रिपोर्ट 'विकसित भारत के लिए एआई: तेज आर्थिक वृद्धि के अवसर' जारी करते हुए यह बात कही।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार न केवल एआई प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका जिम्मेदारीपूर्ण इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''हम ऐसे नियामकीय उपाय नहीं चाहते हैं, जो सचमुच तकनीक को ही खत्म कर दें। हम ऐसे नियमन चाहते हैं जो जिम्मेदार अनुप्रयोग को बढ़ावा दें।'' उन्होंने कहा, ''एआई तेजी से बढ़ रही हमारे वक्त की सच्चाई है। इसलिए हम सभी को सचेत रहना होगा कि हम नैतिकता से पीछे न हटें, क्योंकि एआई की अपनी चुनौतियां भी हो सकती हैं।''

सीतारमण ने आगे कहा कि चुनौतियां सिर्फ नौकरियों में ही नहीं हैं, बल्कि इस बात को लेकर भी हैं कि इनका दुरुपयोग कैसे रोका जाए। रिपोर्ट के अनुसार, जहां एक ओर एआई कई नई भूमिकाएं तैयार करेगा, वहीं दूसरी ओर यह कई मौजूदा नौकरियों को भी विस्थापित भी करेगा। विशेष रूप से लिपिकीय और निम्न कौशल वाले क्षेत्रों में ऐसा होगा। उन्होंने एक संतुलित दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि आवश्यक निगरानी सुनिश्चित करते हुए नवाचार को बढ़ावा देना है। इससे बहुत अधिक नियमन को रोकने में मदद मिलती है।

उन्होंने कहा, ''भारत एक ऐसा देश है, जो किसी भी आने वाली अच्छी चीज को समझ सकता है, लेकिन कोई भी अच्छाई पूरी तरह अच्छी नहीं होती। कोई भी अच्छाई बिना शर्त नहीं होती। हमें इसका इस तरह इस्तेमाल करना चाहिए कि यह आम आदमी के हित में हो।'' उन्होंने कहा कि एआई एक ऐसी चीज है, जिसे हमें अपने काबू में रखना आना चाहिए और इसे आम आदमी की भलाई के लिए काम करना चाहिए।

तकनीकी खराबी के कारण मुंबई मोनोरेल के पहिए थमे, सभी 17 यात्रियों को निकाला गया

मुंबई/भाषा। मुंबई में सोमवार सुबह ''तकनीकी खराबी'' के कारण एक मोनोरेल बीच रास्ते में ही रुक गई, जिसके बाद उसमें सवार सभी 17 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब मोनोरेल में इस तरह की खराबी आई है। उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह सात बजकर 16 मिनट पर वडाला में एंटॉप हिल बस डिपो और जीटीबीएन मोनोरेल स्टेशन के बीच हुई।

मोनोरेल का संचालन करने वाली 'महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (एमएमएमओसीएल) के एक प्रवक्ता ने कहा, ''आज एक मोनोरेल में तकनीकी खराबी आ गई।

सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार, उसमें सवार सभी 17 यात्रियों को तुरंत और सुरक्षित रूप से दूसरी ट्रेन में स्थानांतरित कर दिया गया और सुबह सात बजकर 40 मिनट तक उन्हें अगले स्टेशन पर पहुंचा दिया गया।''

ओला ने 400 करोड़ रुपए का पीएलआई दावा पेश किया

नई दिल्ली/भाषा। ओला इलेक्ट्रिक ने सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत लगभग 400 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन का दावा किया है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, ओला ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपए की पात्र बिक्री के साथ दावा दायर किया है। इससे लगभग 400 करोड़ रुपए का अपेक्षित प्रोत्साहन बैठता है।

मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 13 से 14 प्रतिशत की दर के आधार पर आकलन किए गए इस प्रोत्साहन से कंपनी की नकदी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होने और आने वाली तिमाहियों में इसके वित्तीय प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। ओला पिछले वर्ष पीएलआई प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली एकमात्र दोपहिया मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) थी, जो कंपनी और उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

ओला लगातार दो साल से दोपहिया श्रेणी में पीएलआई-योग्य बिक्री में शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। यह देश में ईवी के क्षेत्र में हो रहे बदलाव उसकी नेतृत्व वाली भूमिका को दर्शाता है। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में यह भी घोषणा की है कि उसे अपने 'जनरेशन 3 स्कूटर पोर्टफोलियो' के लिए पीएलआई पात्रता मूल्यांकन आवश्यकताओं के अनुपालन का प्रमाणन मिला है। 'जनरेशन 3 पोर्टफोलियो' कंपनी की वर्तमान बिक्री के अधिकांश हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। इसके परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही से ओला इलेक्ट्रिक की लाभप्रदता को गति मिलने की उम्मीद है।

पंजाब : राहुल गांधी ने अमृतसर में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को अमृतसर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों से बातचीत की । इस दौरान राहुल गांधी के साथ पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, अमृतसर के सांसद गुरजीत सिंह औजला और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद थे।

अमृतसर पहुंचने के बाद राहुल गांधी अमृतसर के अजनाला स्थित घोनेवाल गांव गए और बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलकर नुकसान का जायजा लिया। घोनेवाल गांव, अजनाला के उन कई इलाकों में से एक है जो बाढ़ के पानी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। राहुल बाढ़ प्रभावित कुछ लोगों के बीच बैठे और उनसे बातचीत की। घोनेवाल गांव का दौरा करने के बाद राहुल गांधी अमृतसर के रामदास क्षेत्र में ऐतिहासिक गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब में मत्था टेकने जाएंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष का गुरदासपुर जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने का भी कार्यक्रम है। पंजाब दशकों में सर्वाधिक भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। यह बाढ़ सतलुज, व्यास और रावी नदियों के उफान पर होने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण मौसमी नालों के उफान का परिणाम थी। राज्य में भारी बारिश ने भी बाढ़ की स्थिति को गंभीर बना दिया।

बाढ़ के कारण 56 लोगों की जान चली गई तथा 1.98 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें बर्बाद हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ सितंबर को अपने दौरे के दौरान बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद पंजाब में बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की थी। प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए 1,600 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की थी जो राज्य को दिए गए 12,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त है।

इससे पहले शिवराज सिंह चौहान, एल मुरुगन और बी एल वर्मा सहित केंद्रीय मंत्रियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कश्मीर घाटी से दिल्ली तक पहली मालवाहक पार्सल ट्रेन को हरी झंडी दिखायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को घाटी से दिल्ली के लिए पहली मालवाहक पार्सल ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन देश के प्रमुख बाजारों तक फलों जैसे जल्दी खराब होने वाले सामानों के परिवहन का एक सस्ता और विश्वसनीय साधन उपलब्ध कराएगी। मालवाहक पार्सल ट्रेन को यहां नौगाम रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाई गई और यह मंगलवार को दिल्ली पहुंचेगी।

सिन्हा ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं प्रधानमंत्री का आभारी हूं क्योंकि मालवाहक सेवा शुरू हो गई है। यहां से प्रतिदिन 23 से 24 टन सेब और अन्य जल्दी खराब होने वाले सामान की ढुलाई की जाएगी, जो अगले दिन दिल्ली पहुंच जाएंगे।'' उपराज्यपाल ने कहा कि

मालगाड़ी परिवहन का एक वैकल्पिक साधन प्रदान करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा, ''यह ट्रेन आर्थिक उत्थान में बहुत योगदान देगी। हम जानते हैं कि भौगोलिक परिस्थितियों और भारी वर्षा के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग कभी-कभी बंद हो जाता है और इससे फल उत्पादकों को नुकसान होता है। रेलवे ने एक बहुत अच्छी सेवा शुरू की है और मैं इसके लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं।'' सिन्हा ने कहा कि ट्रेन से जम्मू कश्मीर का एकीकरण और बढ़ेगा। साथ ही कश्मीर से माल देश के बाकी हिस्सों के बाज़ारों तक कम लागत पर पहुंच सकेगा। पिछले महीने और इस महीने की शुरुआत में हुई भारी बारिश के कारण कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग लंबे समय तक बंद रहा।

स्टालिन ने 2025 वक्फ अधिनियम के प्रावधानों पर रोक वाले न्यायालय के आदेश का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को 2025 के वक्फ अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगाने वाले उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि यह भाजपा सरकार द्वारा किए गए असंवैधानिक और अवैध संशोधनों को ''रद्द करने'' की दिशा में एक बड़ा कदम है। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कई प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिसमें यह प्रावधान भी शामिल है कि केवल पिछले कम से कम पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले लोग ही संपत्ति को वक्फ के रूप में समर्पित कर सकते हैं। इसने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वक्फ संपत्तियों की स्थिति पर निर्णय करने के लिए जिला कलेक्टर को दी गई शक्तियों पर भी रोक लगा दी और वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम भागीदारी के विवादास्पद मुद्दे पर फैसला सुनाते हुए निर्देश दिया कि केंद्रीय वक्फ परिषद में 20 में से चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए, और राज्य वक्फ बोर्डों में 11 में से तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''संसद में विधेयक पेश होने के समय से ही द्रमुक इन संशोधनों का लगातार विरोध करती रही है। इसके अधिनियम बनने के बाद, द्रमुक ने इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी और अन्य पक्षों के साथ मिलकर इसमें सफलता प्राप्त की।''

उन्होंने कहा, ''आज का आदेश मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक अधिकारों की रक्षा और संविधान को कायम रखने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय में लोगों की आशा और विश्वास को मजबूत करता है।''

स्टालिन ने पूर्व मुख्यमंत्री अन्नादुरई की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने पेरारिग्नार अन्ना' कहे जाने वाले द्रविड़ नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सी एन अन्नादुरई को सोमवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। स्टालिन ने राज्य के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदानों की सराहना करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हम अन्नादुरई द्वारा निर्मित इस तमिलनाडु को कभी झुकने नहीं देंगे।

कांजीवरम नटराजन अन्नादुरई (15 सितंबर, 1909 – 3 फरवरी, 1969) द्रविड़ मुनेत्र कषगम के संस्थापक और इसके पहले महासचिव थे, जो मद्रास राज्य के चौथे और अंतिम मुख्यमंत्री रहने के बाद तमिलनाडु के पहले मुख्यमंत्री भी बने। अन्नादुरई ही थे जिन्होंने राज्य की पहचान को दर्शाने के लिए इसे वर्तमान नाम दिया तथा तमिल और अंग्रेजी की दोहरी भाषा नीति भी निर्धारित की। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि अन्ना तमिलनाडु का पर्याय हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, न केवल नाम में, बल्कि नीति, कार्य और राजनीतिक सिद्धांत में भी अन्नाद्रमुक ने 53 वर्षों तक अन्ना की विरासत को गर्व से आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, ''हम जैसे आम लोगों को ऊपर उठाने वाले द्रविड़ राजनीति के अद्वितीय नेता महान अन्ना की जयंती पर आइए आज हम तमिलनाडु को परिवारवाद की जकड़ से मुक्त कराने और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में आम लोगों के लिए...अन्नावाद' को महत्व देने वाली सरकार बनाने का संकल्प लें। आइए हम जनता की रक्षा करें और तमिलनाडु को बचाएं। अन्ना अमर रहें।''

दक्षिण रेलवे ने विशेष ट्रेनों की सेवाएं बढ़ाई गईं

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति में बताया गया है ट्रेन संख्या 06181/06182 कोयंबटूर-जयपुर-कोयंबटूर स्पेशल विशेष ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार किया गया है। ट्रेन संख्या 06181 कोयम्बटूर-जयपुर स्पेशल ट्रेन की चार सेवाएं जो गुरुवार को कोयम्बटूर से 02.30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन 13.25 बजे जयपुर पहुँचती है, अब 16, 23, 30 अक्टूबर और 6 नवंबर को चलेगी। ट्रेन संख्या 06182 जयपुर-कोयम्बटूर स्पेशल, जो रविवार को जयपुर से 22.05 बजे रवाना होकर चौथे दिन 08.30 बजे कोयम्बटूर पहुँचेगी, 19, 26 अक्टूबर, 2 और 9 नवंबर, 2025 को चलेगी। उपरोक्त विशेष ट्रेनों के लिए अग्रिम आरक्षण 16 सितम्बर को सुबह 08.00 बजे दक्षिण रेलवे स्टेशन से खुलेगा।

पलानीस्वामी ने किया कोयम्बटूर क्षेत्र में जनजागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। यहां के सिंगनल्लूर निर्वाचन क्षेत्र में उमड़ी भीड़ यह साबित करती है कि जनता हमेशा -अन्नाद्रमुक के साथ रहेगी। अन्नाद्रमुक के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री रहे एडापाडी पलानीस्वामी ने यहां क्या हमें एक खोखली विज्ञापन वाली सरकार चाहिए जो सिर्फ़ प्रचार के लिए आपके साथ कहे? या फिर, हमें एक अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सरकार चाहिए जो हमेशा गहरे प्यार से आपके साथ रहे? जनता के पास इस सवाल का साफ़ जवाब है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की जनता 2026 के चुनावों में मिलने वाली जीत के ज़रिए कठपुतली मुख्यमंत्री को सबक सिखाएगी। कार्यक्रम का आयोजन कोयम्बटूर के दबंग नेता एवं यहां के विधायक एसपी वेलूमणि ने किया। गत चार दिनों से पूर्व मुख्यमंत्री कोयम्बटूर के दस निर्वाचन क्षेत्रों में प्रचार कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अन्नाद्रमुक काफी मजबूत नजर आ रही है।

अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी आज उपराष्ट्रपति से मिलेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव और तमिलनाडु में विपक्ष के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से मंगलवार को मुलाकात करेंगे और उन्हें बधाई देंगे। पार्टी ने घोषणा की है।

पार्टी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री 16 सितंबर को नयी दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात करेंगे और उनके साथ अन्नाद्रमुक नेताओं तथा राज्यसभा सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भी होगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार राधाकृष्णन ने पिछले सप्ताह उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में जीत हासिल की थी।

उन्होंने विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराया था। राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले थे। अन्नाद्रमुक राजग का घटक दल है।

जयललिता की पूर्व सहयोगी ने चुनाव से पहले अन्नाद्रमुक के सभी गुटों से एकजुट होने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अंतरिम महासचिव के पद से हटाई गईं वी. के. शशिकला ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के सभी गुटों से एकजुट होने की सोमवार को अपील की।

शशिकला ने कहा कि अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ता इसे (पार्टी) एकजुट देखना चाहते हैं और दोहराया कि पार्टी की चुनावी संभावनाएं उसके एकीकरण पर ही निर्भर करती हैं। दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता की पूर्व करीबी सहयोगी ने यहां पोएस गार्डन स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ''अन्नाद्रमुक में हर कोई चाहता है कि 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न गुट एकजुट हो जाएं। मैं भी यही चाहती हूं।'' उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि सभी गुटों को चुनाव से पहले एक हो जाना चाहिए न कि चुनाव के बाद। शशिकला ने संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''अस्वीकार करना बहुत आसान है। लेकिन किसी को स्वीकार करना बहुत मुश्किल काम है। इसमें समय लगता है।''

उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक का लक्ष्य द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन को समाप्त कर 'अम्मा' (जयललिता) का शासन फिर से स्थापित करना है। शशिकला ने कहा, ''मेरा कार्य पार्टी के एकीकरण और उसकी जीत के लिए समर्पित रहेगा।''

एसवीपीआईएसटीएम ने विविधता में एकता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया

चेन्नई। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले संस्थान सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र व प्रबंधन विद्यालय (एसवीपीआईएसटीएम) ने राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी के महत्व को बढ़ावा देने और बनाए रखने के लिए 15 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया। इस समारोह में निबंध लेखन और नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षार्थियों को एक साथ लाकर, एसवीपीआईएसटीएम एक बहु सांस्कृतिक शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने, सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देने और विविधता में एकता को पोषित करने में हिंदी की भूमिका पर ज़ोर दिया गया।

तमिलनाडु भाजपा सेवा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उन्नति के लिए 75 प्रेरक कार्यक्रमों के साथ मनाएगी सेवा पखवाड़ा

मोदी के जन्मदिन से लेकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन तक होंगे कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले परिवर्तनकारी पखवाड़े को 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाएगी। यह पखवाड़ा महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाएगा। यह पहल जन कल्याण, राष्ट्रीय प्रगति और सामाजिक समरसता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो सेवा-प्रेरित गतिविधियों के माध्यम से समुदायों को एकजुट करती है और एक आत्मनिर्भर, विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है।।

तमिलनाडु में, प्रदेश अध्यक्ष के. नैनार नागेंद्रन और सेवा पखवाड़ा (सेवई इरुवारम - सेवा सप्ताह) के संयोजक विनोज पी. सेल्वम के दूरदर्शी नेतृत्व में, भाजपा 'वोकल फॉर लोकल' और स्वदेशी सिद्धांतों को बढ़ावा देते हुए एक गतिशील अभियान शुरू करेगी। हाल ही में अमेरिकी टैरिफ सहित वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के जवाब में, यह पहल स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देगी, कारीगरों को सशक्त बनाएगी, उद्यमशीलता को बढ़ावा देगी और प्रत्येक नागरिक के उत्थान और सामुदायिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक लचीलेपन को मजबूत करेगी।

इस अभियान का एक प्रमुख उद्देश्य 17 सितंबर और 2 अक्टूबर को खादी की खरीददारी को बढ़ावा देना है, जो ग्रामीण आजीविका और सतत विकास के लिए समर्थन का प्रतीक है। स्वदेशी को अपनाकर, सेवा पखवाड़ा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को मज़बूत करने, रोज़गार के अवसर पैदा करने और एक समावेशी, समृद्ध भारत की आकांक्षा के अनुरूप समान विकास को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। 17 सितंबर से हर बूथ पर शुरू हो रहा स्वच्छता अभियान, जन स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के आधार के रूप में स्वच्छता पर ज़ोर देता है। यह राष्ट्रव्यापी आंदोलन सामूहिक ज़िम्मेदारी को प्रोत्साहित करता है, स्वच्छ और स्वस्थ स्थानों का निर्माण करता है जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है और बीमारियाँ कम होती हैं, जिससे शहरी और ग्रामीण, दोनों समुदायों को लाभ होता है। प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, विश्वकर्मा जयंती के साथ ही प्रति ज़िले कम से कम 75 यूनिट रक्त एकत्रित करने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएँगे। स्वास्थ्य जाँच शिविरों के साथ, ये प्रयास परोपकारिता को बढ़ावा देंगे और सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेंगे, वंचित आबादी की ज़रूरतों को पूरा करेंगे और सामाजिक कल्याण को मज़बूत करेंगे।

प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के जीवन और योगदान पर प्रकाश डालने वाली प्रदर्शनियाँ आपदा राहत, संकट प्रबंधन और महामारी प्रतिक्रिया के प्रति उनके अटूट समर्पण को प्रदर्शित करेंगी। ये प्रदर्शनियाँ राजनीति को सेवा के एक साधन के रूप में देखने के उनके दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, जो युवाओं और नागरिकों को सामुदायिक उत्थान और राष्ट्रीय एकता को मूल मूल्यों के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। 21 सितंबर को 75 प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाला 'मोदी विकास मैराथन', और दिसंबर-जनवरी तक चलने वाले खेल आयोजन, युवाओं को विकसित भारत और नशामुक्त भारत के बैनर तले एकजुट करेंगे। तमिलनाडु के प्रयासों में केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने से, ये पहल शारीरिक स्वास्थ्य और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देती हैं और राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी के त्याग और उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म 17 से 24 सितंबर तक सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी, जो सेवा के प्रति समर्पण की प्रेरणा देगी।

शुभारंभ — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सोमवार को चेन्नई के कलैवनार आरंगम में समाज कल्याण एवं महिला अधिकार विभाग की ओर से 'अंबुक्कांगल परियोजना' का शुभारंभ मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया तथा अंबुक्कांगल तथा थायुमनवर योजनाओं के लाभार्थियों को लैपटॉप वितरित किए। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, नगर प्रशासन मंत्री केएन नेहरू, समाज कल्याण एवं महिला अधिकार मंत्री पी. गीता जीवन, चिकित्सा एवं लोक कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यम, हिंदू धर्म एवं धर्मस्व मंत्री पी.के. शेकरबाबू, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की महापौर आर. प्रिया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

टीवीएस मोटर, आल्ट मोबिलिटी ने इलेक्ट्रिक तिपहिया तैनात करने के लिए साझेदारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसने पट्टा और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी आल्ट मोबिलिटी के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत चालू वित्त वर्ष में 3,000 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की तैनाती की जाएगी।

इस समझौते के तहत टीवीएस वाहन उपलब्ध कराएगी, जबकि आल्ट मोबिलिटी अपने तंत्र के जरिये उन्हें खरीदेगी, पट्टे पर देगी और वित्तपोषण करेगी। कंपनी ने बयान में कहा कि ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए मॉडल, संस्करण और वाहन की अन्य विशेषताओं को साथ मिलकर अंतिम रूप दिया जाएगा। वाहनों को टीवीएस मोटर के अधिकृत डीलर के व्यापक नेटवर्क और पूरे भारत में आल्ट के बिक्री केंद्रों के माध्यम से पेश किया जाएगा।

बेंगलूरु की कंपनी ने टीटीडी को इलेक्ट्रिक वाहन दान किया

बेंगलूरु/तिरुपति। कर्नाटक की राजधानीबेंगलूरु स्थित एक कंपनी ने सोमवार को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को 15.94 लाख रुपये मूल्य का इलेक्ट्रिक वाहन दान किया। टीटीडी ने बयान जारी कर कहा कि कंपनी के प्रतिनिधियों ने श्रीवारी मंदिर के सामने वाहन के लिए विशेष पूजा की और चाबियां तिरुमला मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी लोकनाथम को सौंपी। इसमें कहा गया है, बेंगलूरु स्थित एक कंपनी ने टीटीडी को 15.94 लाख रुपये का एक इलेक्ट्रिक वाहन दान किया है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है। इसे दुनिया का सबसे धनी हिंदू मंदिर माना जाता है।

आईपीए नीराथॉन 2025 में श्रीराम प्रॉपर्टीज ने जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

चेन्नई। भारत के अग्रणी आवासीय रियल एस्टेट डेवलपरों में से एक, श्रीराम प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड (एसपीएल), जो मिड-मार्केट और मिड-प्रीमियम सेगमेंट पर केंद्रित है, ने चेन्नई में आईपीए नीरथॉन 2025 के मुख्य प्रायोजक के रूप में समर्थन देकर स्थिरता और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मज़बूत किया। आइलैंड ग्राउंड्स में 10 किमी, 5 किमी और 3 किमी की श्रेणियों में हज़ारों प्रतिभागियों को आकर्षित करने वाली यह पहल सिर्फ़ एक मैराथन ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक आंदोलन भी थी।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीराम प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) टीवी गणेश ने कहा, जल संरक्षण वैकल्पिक नहीं है, यह एक परम आवश्यकता है। श्रीराम प्रॉपर्टीज़ में, हम शहरी पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने की अपनी ज़िम्मेदारी को समझते हैं। वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण से लेकर हरित भवन प्रमाणन तक, हमारी हर परियोजना में स्थिरता को शामिल किया गया है। आईपीए नीरथॉन का समर्थन इन मूल्यों का विस्तार है। हमारा मानना है कि जागरूकता से ही कार्रवाई संभव है, और हम सब मिलकर न केवल आज के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल संरक्षण कर सकते हैं।हमें हरियाली बनाए रखने के लिए नीले रंग की ज़रूरत है थीम पर आधारित नीराथॉन ने इस मुहिम के समर्थन में व्यक्तियों, परिवारों, कॉर्पोरेट टीमों और सामुदायिक समर्थकों को एक साथ लाया। चेन्नई में नीराथॉन 3.0 की शानदार सफलता से बेहद खुश हूँ।

दुखद — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

सोमवार को केरल के पालक्कड़ जिले के मन्नारकाड में रिहायशी इलाके के पास जंगल से सटे एक बागान में रहस्यमय परिस्थितियों में एक नर हाथी मृत पाया गया। वन अधिकारी घटनास्थल पर घटना की जाँच कर रहे हैं।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने सुखाड़िया विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में स्थित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा द्वारा हाल ही में मुगल शासक औरंगजेब को कथित तौर पर 'कुशल प्रशासक' बताए जाने के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्र विश्वविद्यालय के पिछले दरवाजे से प्रशासनिक भवन में घुस गए और शीशे तोड़ दिए, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बुलाई गई।

प्रोफेसर मिश्रा ने पिछले हफ्ते विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित संगोष्ठी 'भारतीय ज्ञान प्रणाली:विकसित भारत 2047 के लिए रोडमैप' के दौरान औरंगजेब की प्रशासनिक क्षमताओं का उल्लेख करते हुये मुगल बादशाह कुशल प्रशासक बताया था।

बाद में जारी अपने स्पष्टीकरण में मिश्रा ने कहा कि वक्तव्य को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और उसे संदर्भ से इतर लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने औरंगजेब का महिमामंडन नहीं किया। भाजपा के शहर जिला महामंत्री डा. पंकज गोराणा ने कहा कि महाराणा प्रताप की धरती पर कुलगुरु ने जो बयान दिया वह मेवाड़ के लिए सहनीय नहीं है।

प्रदर्शन के दौरान छात्र प्रशासनिक भवन के गेट पर चढ़ गए जबकि कुछ पिछले दरवाजे से जबरन घुस गए जिससे शीशे टूट गए। पुलिस उपाधीक्षक छगन पुरोहित एवं अन्य पुलिस अधिकारी हालात को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पहुंचे।

लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी मिलकर करे काम : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने लोकतंत्र में सभी स्तरों पर जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने और सभी को पारदर्शिता से कार्य करने की संस्कृति विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा है कि लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए। बागड़े सोमवार को इंदिरा गांधी पंचायत राज संस्थान सभागार में 'भारतीय युवा संसद' के अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्व लोकतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारतीय संविधान सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि युवा देश के कर्णधार हैं, उन्हें 'देश प्रथम' की सोच से कार्य करने के लिए सभी स्तरों पर प्रेरित किया जाए। उन्होंने विश्व में लोकतंत्र के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में बाबा साहेब आम्बेडकर ने संविधान निर्माण के दौरान यह ध्यान रखा कि विश्वभर का जो श्रेष्ठतम है, वह हमारे संविधान में आए।

राज्यपाल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र इसलिए है कि यह समानता, न्याय और उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ा है। उन्होंने सही शिक्षा के जरिए लोकतंत्र को मजबूत किए जाने का आह्वान किया।

इसके लिए उन्होंने विद्यालयों और महाविद्यालयों में बौद्धिक और शारीरिक क्षमता बढ़ाते हुए प्रतिभा संपन्न युवाओं की संख्या बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि थाली में भोजन का जो नियोजन कर सके और खाने के बाद भोजन फेंकना नहीं पड़े वही राष्ट्र और समाज में नियोजन के लिए कार्य करने में सक्षम हो सकता है। शुरूआत घर से, अपने आप के नियोजन से करनी होगी तभी देश और विश्व का नियोजन सही हो सकता है।

उन्होंने कहा कि सुशासन में कृत्रिम बुद्धिमता का प्रयोग साक्ष्य आधारित निर्णय लेने, प्रक्रियाओं में तेजी लाने और नागरिक सुविधाओं में बेहतरी के लिए तो ठीक है परन्तु इसका सावधानी से उपयोग होगा तभी तकनीक की सार्थकता है। एआई मानवीय गरिमा और जीवन मूल्यों पर हावी नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने आरंभ में भारतीय संसद के आलोक में प्रकाशित पुस्तिका लोकतंत्र वैचारिकी का लोकार्पण भी किया।

कांग्रेस की महिला विधायकों ने अतिरिक्त कैमरे लगाने को निजता का हनन बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के सदन में विपक्ष की तरफ अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने को लेकर विवाद जारी है और सोमवार को कांग्रेस की दो महिला विधायकों ने इसे नियमों के विपरीत व निजता का हनन करार दिया। कांग्रेस की विधायक शिमला नायक व गीता बरवड़ ने इस मुद्दे को लेकर यहां कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात की। शिमला नायक ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष के सदस्यों, खास कर महिला सदस्यों के बैठने वाले स्थान पर कैमरे लगाकर निगरानी करना ना सिर्फ विधानसभा के नियमों के विपरीत है, बल्कि विधायिका परम्पराओं का भी उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने के सवाल पर सरकार की ओर से सदन में कोई जवाब नहीं दिया गया। नायक ने कहा कि कांग्रेस की सभी महिला विधायकों को अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने पर आपत्ति है, हम इसकी निंदा करते हैं और यह हमारी निजता के अधिकार का हनन है।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त लगाए गए दो कैमरों का विधानसभा की प्रक्रिया से कोई लेना देना नहीं है। विधायक गीता बरवड़ ने भी अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने के औचित्य पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सदन में जहां कांग्रेस की महिला विधायक बैठती हैं वहां इस प्रकार के कैमरे लगाए गए हैं जिनसे उस स्थान पर आपसी बातचीत को भी रिकॉर्ड किया जा सकता है और देखा जा सकता है, लेकिन इन कैमरों से यूटयूब पर सार्वजनिक प्रसारण नहीं किया जाता है।

विधायकों ने कहा कि यह सदन की महिला विधायकों की निजता का उल्लंघन है। ऐसी समस्त रिकॉर्डिंग एवं निगरानी न सिर्फ कानूनी रूप से गलत है बल्कि महिला विधायकों के निजता के अधिकार पर एक प्रहार है।

उल्लेखनीय है कि विपक्षी कांग्रेस ने सरकार पर विधायकों की जासूसी करने के लिए विधानसभा के सदन में विपक्ष की ओर अतिरिक्त कैमरे लगाने का आरोप लगाया है। हालांकि सत्तारूढ़ भाजपा के नेताओं ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

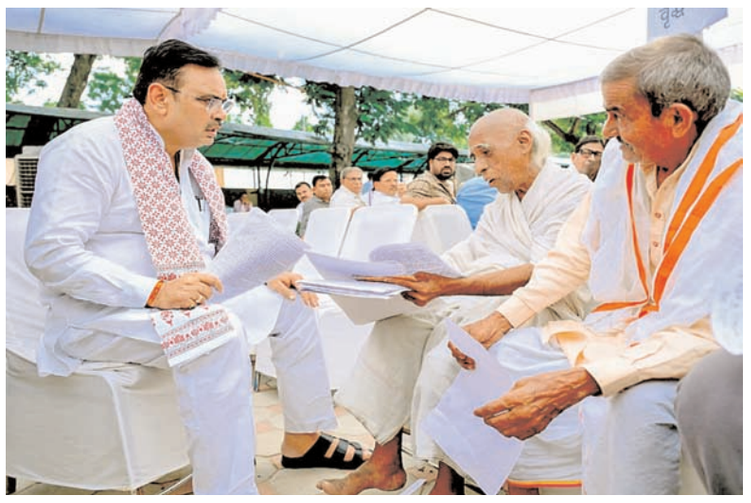

जनहित से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि हर व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से त्वरित राहत दिलाना तथा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से सभी सुविधाएं एवं सेवाएं पहुंचाना हमारी सरकार का ध्येय है। मुख्यमंत्री निवास में नियमित जनसुनवाई करते हुये शर्मा ने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य में पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील तंत्र विकसित किया गया है, जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। अधिकारियों के अनुसार, शर्मा ने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला प्रशासन समस्याओं के निस्तारण के लिए निरंतर जनसुनवाई करे, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि आमजन के हित से जुड़ी प्रत्येक समस्या को अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता दें और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला प्रशासन समस्याओं के निस्तारण के लिए निरंतर जनसुनवाई करे, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

उन्होंने कहा कि आमजन के हित से जुड़ी प्रत्येक समस्या को अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

आरएएस के 222 अधिकारियों के तबादले

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान सरकार ने प्रशासनिक ढांचे में बड़ा फेरबदल करते हुए सोमवार को राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 222 अधिकारियों के तबादले किए। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश में सरकार के कई विभागों में अधिकारी बदले गए हैं। पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे आरएएस अधिकारियों को पोस्टिंग दी गई है। अदेश में कहा गया है कि सहकारिता विभाग के संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार को पशुपालन विभाग में संयुक्त शासन सचिव पद पर लगाया गया है। जल संसाधन विभाग में संयुक्त सचिव असलम शेर खान को अल्पसंख्यक मामला विभाग में संयुक्त सचिव पद पर लगाया गया है। इसी तरह आरएएस नरेश कुमार बंसल को कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव पद से हटाकर नगर निगम जयपुर ग्रेटर में अतिरिक्त आयुक्त लगाया गया है। आरएएस आनंदी लाल वैष्णव अब संयुक्त शासन सचिव (गृह-पुलिस) होंगे। आदेश में दर्जन भर आरएएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है जबकि पहले किए गए कुछ तबादलों के आदेश रद्द कर दिए गए हैं।

राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अठावले ने की प्रशंसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को जयपुर में आयोजित अहम बैठक में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सर्किट हाउस में हुई बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी, आयुक्त नगम निगम ग्रेटर डॉ. गौरव सैनी, आयुक्त विशेष योग्यजन केसरलाल मीना सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अठावले ने केंद्रीय मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाओं की गत तीन वर्षों के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विशेष योग्यजन विभाग, अनुजा निगम द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने बैठक में राज्य में अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए छात्रवृत्ति का राशि वितरण, एससी/एसटी के लिए अत्याचार निवारण अधिनियम का क्रियान्वयन, अंतरजातीय विवाह हेतु अनुदान राशि वितरण, अनुसूचित जाति की छात्राओं के लिए आवासीय विद्यालय के लिए अनुदान राशि वितरण, राज्य में वृद्धाश्रम योजना एवं वृद्धावस्था पेंशन हेतु अनुदान राशि का वितरण, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की।

अठावले ने मैनुअल स्कैवेंजरों (हाथ से मैला ढोने वालों) से संबंधित योजनाएँ एवं अनुदान राशि का वितरण, अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जनजाति समुदायों के कल्याण के लिए अन्य योजनाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकानों का आवंटन, जनधन योजना के अंतर्गत बैंक खाते खोलना, बीमा एवं पेंशन की सुविधा, राज्य में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों और गैर-औपचारिक सूक्ष्म उद्यमों हेतु मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण का वितरण, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत बीपीएल परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन का आवंटन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा कर जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में देश और प्रदेश में सामाजिक सुरक्षा का निरंतर विस्तार हो रहा है। पात्र और जरूरतमंद तबके तक विभागीय योजनाओं की पहुंच अब आसान होने लगी है। राज्य सरकार प्रयासों में और अधिक गति लाकर सामाजिक उत्थान के लिए कृत संकल्पित है।

आने वाली पीढियों को मानवता के लिए तैयार करें : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को आबू रोड में सच बेधड़क मीडिया समूह द्वारा आयोजित अंगदान अभियान जीवांजली का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने अंगदान को मानवता का कार्य बताते हुए कहा कि अंगदान चिकित्सा संबंधी निर्णय के साथ जीवन और आशा का दान है। मृत्यु के बाद भी हमारी देह किसी और की जिंदगी को अमर कर सकती है। यह कार्य ईश्वरतुल्य सेवा और समाज के लिए सर्वोच्च योगदान है। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि अंगदान को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को तोड़ना होगा और इसे पुण्य कार्य के रूप में अपनाना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि एक व्यक्ति अंगदान करके आठ से नौ लोगों को नया जीवन दे सकता है। इसे राष्ट्रीय अभियान बनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी एवं सच बेधड़क मीडिया समूह के डायरेक्टर न्यूज श्रीपाल शक्तावत सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

देवनानी ने सच बेधड़क मीडिया समूह की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं तथा आने वाली पीढ़ियों को मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब मिलकर संकल्प लें कि अंगदान को राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की नई पहचान बनाएँगे।

आबू पर्वत ऋषियों की तपस्या, त्याग और मानवता के संदेश का साक्षी रहा है और आज इसी धरती से हम पूरे राजस्थान को जीवनदान की एक नई प्रेरणा देने का संकल्प ले रहे हैं। देवनानी ने कहा कि दानं परमं बलम अर्थात दान ही सबसे बड़ा बल है। दान से बड़ा और पवित्र कोई कार्य नहीं है। सामान्यतः हम वस्त्र, अन्न, धन, पुस्तक या ज्ञान का दान करते हैं किंतु अंगदान ऐसा अद्वितीय दान है जिसमें हम मृत्यु के पश्चात भी किसी और की जिंदगी को नया जीवन दे सकते हैं।

यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों को रोके, उनका जीवन महत्वपूर्ण है : दीया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है कि आमजन भी बिना हेलमेट चलने वालो को देखकर अपनी गाडी रोक कर उन्हें रोके और हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित करें क्योकि बात केवल चालान की नही है बल्कि दूसरो के जीवन की सुरक्षा की है। उपमुख्यमंत्री सोमवार को एआईसीटीई केन्द्र ,झालाना ,जयपुर के सभागार में आयोजित सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान समापन एवं अभियंता दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रही थी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा की यातायात नियमों का पालन नही करने वालों को जागरूक करने में आमजन भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। उन्होने सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह सीधा जनता से जुडा हुआ अभियान है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंताओं ,खासकर महिला अभियंताओं की टीम ने प्रदेश के छात्र-छात्राओं एवं अन्य लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए जागरूक करने के लिए ऐतिहासिक अभियान चलाया है जिसके लिए मुख्य अभियंता गुण नियंत्रण जसवंत खत्री एवं सभी अभियंता बधाई के पात्र है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी के जीवन की सुरक्षा से जुड़ा हुआ यह अभियान बहुत महत्वपूर्ण है ,इसलिए सभी विधायकों एवं सासंदों से आग्रह किया जायेगा कि वे अपने सोशल मीडिया अकाउटस पर इस अभियान के प्रमुख घटकों को शेयर करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि सभी अभियंता यह तय करें कि सप्ताह में दो दिन सड़कों का निरीक्षण करे। उन्होंने कहा कि केवल फाईल साईन करना काम नही है ,जो सड़के बन रही है या बन चुकी है उनका निरीक्षण कर साप्ताहिक रिपार्ट प्रस्तुत करें। इस अवसर पर उपमुख्यंमत्री दीया कुमारी एवं राज्य मंत्री मंजू बाघमार ने प्रदेश के सभी अभियंताओं को अभियंता दिवस की शुभकामनायें दी।

मुख्य अभियंता गुण नियंत्रण जसवंत खत्री ने बताया कि 9 अगस्त से 15 सिंतबर तक चले इस अभियान के दौरान प्रदेश के 1097 स्कूल कॉलेजों के 4 लाख 18 हजार 345 छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान करौली जिले के सर्वाधिक 112 संस्थानों के 41 हजार 31 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पहले स्थान पर रहने वाले करौली जिले की मास्टर ट्रेनर कविता मीणा, रेणू मीणा व अधिशाषी अभियंता गुण नियंत्रण हरिनारायण मीणा को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं राज्य मंत्री मंजू बाघमार सहित अन्य अतिथियों ने स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इसके अतिरिक्त सीकर डूगरपूर झुंझुनू एवं जयपुर के अधिकारियों को सम्मानित किया गया। अभियान की नोडल अधिकारी शिल्पा श्रीमाल सहित अभियान के दौरान सक्रिय भूमिका निभाने वाले विभाग के दो वाहन चालकों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, मुख्य अभियंता टीसी गुप्ता सहित विभाग के आलाधिकारी एवं महिला मास्टर ट्रेनर एवं अन्य जन उपस्थित रहें।

अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार से बारिश में कमी आने का अनुमान है : आईएमडी

ईटानगर/भाषा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार से अरुणाचल प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने का अनुमान जताया है, जिससे कई दिनों की भारी बारिश के बाद राहत मिलेगी।

यहां मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा सोमवार को जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार, कुछ स्थानों खासकर अंजॉ, पूर्वी कामेंग, पश्चिमी सियांग, सियांग, ऊपरी सियांग और निचली दिबांग घाटी जिलों में, बादलों की गरज के साथ बिजली चमकने और भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने निवासियों को संभावित जलभराव, यातायात व्यवधान और मामूली भूस्खलन के प्रति आगाह किया है।

बुधवार तक बारिश की तीव्रता में और कमी आने की उम्मीद है, हालांकि कुछ इलाकों में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना बनी हुई है।

मौसम की स्थिति में बृहस्पतिवार से उल्लेखनीय सुधार होने का अनुमान है। फिलहाल कोई बड़ी चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मिल्कीपुर में भाजपा सरकार ने वोटों की डकैती करवाकर मेरे बेटे को हराया : प्रसाद

वाराणसी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने सोमवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने मिल्कीपुर में वोटों की डकैती कराकर मेरे बेटे को चुनाव हरवा दिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के अवधेश प्रसाद के सांसद चुने जाने के बाद इस वर्ष की शुरुआत में उनके इस्तीफे से रिक्त हुई मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा के चंद्रभानु पासवान ने सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद को पराजित कर दिया था।

सपा सांसद प्रसाद ने यहां संवांदाताओं से बातचीत में कहा कि फैजाबाद के मिल्कीपुर से जनता ने उन्हें (अवधेश प्रसाद) नौ बार विधायक बनाया। उन्होंने कहा कि जब वह सांसद बने तब अखिलेश यादव ने उनके बेटे (अजीत प्रसाद) को मिल्कीपुर से प्रत्याशी बनाया, लेकिन भाजपा सरकार ने उनके बेटे को वोट चोरी नहीं, बल्कि डकैती करके हरवा दिया। उन्होंने कहा कि राम जी की कृपा से वह अयोध्या का चुनाव जीते। प्रसाद ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के लल्लू सिंह को हैट्रिक

कहीं नहीं जा रहा, अब राजग के साथ ही रहूंगा : नीतीश

पूर्णिया/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोमवार को आश्वासन दिया कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ ही रहेंगे। कुमार ने कुछ समय के लिए आरजेडी-कांग्रेस गठबंधन में शामिल होने पर खेद व्यक्त किया और यह आरोप लगाया कि ''जब भी उन्होंने सत्ता में साझेदारी की तो उन्होंने (आरजेडी-कांग्रेस) हमेशा इसका दुरुपयोग किया है।'' कुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा होने से कुछ सप्ताह पहले पूर्णिया में सोमवार को मोदी की उपस्थिति में आयोजित एक रैली में ये बातें कहीं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' की ओर इशारा करते हुए कहा, ''यह जद(यू)-भाजपा गठबंधन ही था जिसने नवंबर 2005 में पहली बार बिहार में सरकार बनाई थी। अपनी ही पार्टी के कुछ साथियों के कहने पर ही मैं एक-दो बार दूसरी तरफ चला गया था। उन साथियों में से एक यहीं बैठे हैं।''

अरुणाचल प्रदेश में छात्रावास के बाथरूम में लटका मिला 13 वर्षीय छात्र का शव

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले में रविवार शाम एक स्कूल के छात्रावास के बाथरूम में 13 वर्षीय छात्र का शव लटका हुआ पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

दोईमुख के एसडीपीओ राधे ओबिंग ने सोमवार को बताया कि मणि स्थित सरकारी माध्यमिक विद्यालय के अधिकारियों ने शाम करीब साढ़े सात बजे पुलिस को घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान सातवीं कक्षा के छात्र तेची गुनिया के रूप में हुई है।

गुनिया मूल रूप से जिले के सागली का रहने वाला था और मणि में पढ़ता था।

एसडीपीओ ने बताया कि दोईमुख पुलिस थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

झारखंड: गिरिडीह में 35 हजार लीटर अवैध स्प्रिट जब्त, पांच गिरफ्तार

गिरिडीह/भाषा। झारखंड के गिरिडीह जिले में पुलिस और बिहार आबकारी विभाग की एक संयुक्त छापेमारी में 35,000 लीटर अवैध स्प्रिट जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि बिहार आबकारी विभाग, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) रांची और गिरिडीह पुलिस ने रविवार रात निमियाघाट थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार का पर्दाफाश करने के लिए छापेमारी की। डुमरी के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सुमित प्रसाद ने कहा, हमने एक संयुक्त छापेमारी में 35,000 लीटर अवैध स्प्रिट जब्त की है। यह स्प्रिट एक वाहन से चुराकर एक होटल के पीछे छिपाई गई थी। पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। निमियाघाट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया जाएगा।

'भयमुक्त कारोबार' का नया केंद्र बना उत्तरप्रदेश : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले साढ़े आठ वर्षों में उद्यमियों को सुरक्षा का माहौल दिया है और इसकी वजह से यह राज्य 'फियरलेस बिजनेस' (भयमुक्त कारोबार) का केंद्र बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने राजधानी लखनऊ में आयोजित सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रदर्शनी में विभिन्न स्टार्टअप उत्पादों का अवलोकन किया और अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों और भविष्य की दिशा को सबके सामने रखा। आदित्यनाथ ने दावा करते हुए कहा, ''उत्तर प्रदेश ने बीते साढ़े आठ वर्षों में सुरक्षा का उत्कृष्ट वातावरण दिया है। फियरलेस बिजनेस का केंद्र उत्तर प्रदेश बन चुका है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी यूपी आज अग्रणी है। अब ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस उत्तर प्रदेश की नई पहचान है। व्यवसाय के लिए सुरक्षा, सुगमता और मजबूत इको सिस्टम जरूरी है और यह तीनों आज उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं।'' उन्होंने कहा, ''प्रदेश सरकार केवल नीतियां नहीं बना रही, बल्कि युवाओं,

उद्यमियों और वैज्ञानिकों के विचारों को पंख दे रही है। सरकार हर योग्य स्टार्टअप के साथ खड़ी है। हम प्रयोगशाला से उद्योग तक युवाओं का साथ दे रहे हैं। हर शोध उत्पाद बने, हर उत्पाद उद्योग बने और हर उद्योग भारत की शक्ति बने। यही विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश का मंत्र है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में 'स्टार्टअप इकोसिस्टम' तेजी से बढ़ा है। आज भारत में एक लाख 90 हजार स्टार्टअप हैं और हम अमेरिका व ब्रिटेन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। प्रदेश में 17 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इनमें आठ यूनिकॉर्न शामिल हैं। यहां 72 इनक्यूबेटर्स और सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित हो चुके हैं। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने 137 करोड़ रुपए की सहायता भी उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश स्टार्टअप्स और युवा उद्यमियों के लिए सही पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करके नवाचार और वैश्विक प्रौद्योगिकी का केंद्र बनने की दिशा में काम कर रहा है। अपनी सरकार की एमएसएमई और ओडीओपी पहलों का उल्लेख करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से राज्य से श्रमिकों का पलायन कम हुआ है।

उन्होंने कहा, ''आज, राज्य में 96 लाख एमएसएमई इकाइयाँ पंजीकृत हैं, जो दो करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं और सालाना 2 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करती हैं।'' उन्होंने कहा कि एक ज़िला एक उत्पाद योजना के तहत 77 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हुए हैं और वे वैश्विक बाज़ारों से जुड़े हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए सम्मानजनक सीटों की मांग कर रहा हूं, दावा नहीं : मांझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संस्थापक जीतन राम मांझी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए सीटों को लेकर कोई दावा नहीं किया है, बल्कि केवल ''सम्मानजनक हिस्सेदारी'' की मांग रखी है।

पत्रकारों से बातचीत में मांझी ने कहा कि उनके हालिया बयान को गलत अर्थ में लिया गया है। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी दावा नहीं किया, केवल इतना कह रहा हूं कि राजग गठबंधन में रहते हुए हमारी पार्टी को सम्मानजनक सीटें मिलें।'' उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि स्थापना के 10 वर्ष बाद भी उनकी पार्टी अब तक मान्यता प्राप्त दल का दर्जा हासिल नहीं कर सकी। जब उनसे यह पूछा गया कि ''सम्मानजनक हिस्सेदारी'' से उनका तात्पर्य कितनी सीटों से है, तो उन्होंने कहा कि यह संख्या 15 या 20 कुछ भी हो सकती है। रविवार को मांझी ने अपने लोकसभा क्षेत्र गया में कहा था कि इस बार का विधानसभा चुनाव उनकी पार्टी के लिए ''करो या मरो'' की स्थिति है, क्योंकि मान्यता प्राप्त पार्टी बनने के लिए 243 सदस्यीय सदन में कम से कम आठ विधायकों की जीत या छह प्रतिशत मतों की आवश्यकता है। गौरतलब है कि मांझी 2015 में पार्टी की स्थापना के बाद से समय-समय पर राजग और महागठबंधन के बीच अपनी स्थिति बदलते रहे हैं, हालांकि पिछले कुछ चुनावों में उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के साथ मिलकर चुनाव लड़ा है। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने सात सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, जिनमें से चार पर जीत दर्ज की थी।

झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का सफाया हो गया : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया हो गया है। उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपए के इनामी 'कमांडर' समेत तीन शीर्ष माओवादियों को मार गिराया गया है।

पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह झारखंड के हजारीबाग जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन माओवादी मारे गए।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 'कोबरा बटालियन' और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है, जिसमें कुख्यात नक्सली कमांडर सहदेव सोरेन उर्फ परवेश को ढेर कर दिया गया।

अवैधता पाई गई तो बिहार में एसआईआर को रद्द कर देंगे, पूरे देश में एसआईआर नहीं रोका जा सकता : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह यह मानता है कि भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकार होने के नाते बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कानून का पालन कर रहा है। इसने यह भी आगाह किया कि किसी भी अवैधता की स्थिति में इस प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाएगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए सात अक्टूबर की तारीख तय की और इस कवायद पर ''टुकड़ों में राय'' देने से इनकार कर दिया।

पीठ ने कहा, ''बिहार एसआईआर में हमारा फैसला पूरे भारत में एसआईआर के लिए लागू होगा।'' इसने स्पष्ट किया कि वह निर्वाचन आयोग को देश भर में मतदाता सूची में संशोधन के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, पीठ ने बिहार एसआईआर कवायद के खिलाफ याचिका दायर करने वालों को सात अक्टूबर को अखिल भारतीय एसआईआर पर भी दलील रखने की अनुमति दी।

शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन से मामले के निर्णय पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। पीठ ने एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं से कहा, ''मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से हमें क्या फर्क पड़ेगा? अगर हमें लगा कि इसमें कुछ अवैधता है, तो हम इसे रद्द कर सकते हैं।'' इस बीच, न्यायालय ने आठ सितंबर के शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने का आग्रह करने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें निर्वाचन आयोग को बिहार एसआईआर में 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड को शामिल करने का निर्देश दिया गया था। निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने शुरू में पीठ से अनुरोध किया कि न्यायालय को एसआईआर प्रक्रिया का अंतिम मूल्यांकन होने तक सुनवाई स्थगित कर देनी चाहिए।

गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि निर्वाचन आयोग अन्य राज्यों में भी एसआईआर कवायद कराने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें इस प्रक्रिया के कानूनी पहलू पर अदालत से बात करनी होगी।

कड़ी आलोचनाओं के बाद हाथ नहीं मिलाने का फैसला किया भारतीय टीम ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था इसके बाद ही उसने पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाने का फैसला किया और उसकी यह नीति चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ दो अन्य संभावित मैचों में भी जारी रहेगी।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ चीज खेल भावना से भी बढ़कर होती हैं। सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट से जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में पीटीआई के सवाल पर कहा, ''हम सब एक साथ यहां आये तो हमने यह फैसला किया और मुझे लगता है कि हम यहां सिर्फ मैच खेलने आये हैं। मुझे लगता है कि हमने उचित जवाब दिया।'' जब एक पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा कि क्या विपक्षी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार करना ''राजनीति से प्रेरित'' था, तो कप्तान ने जवाब दिया: ''मुझे लगता है कि जीवन में कुछ चीजें खेल भावना से बढ़कर होती हैं। हम पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के साथ खड़े हैं और इस जीत को हमारे सशस्त्र बलों को समर्पित करते हैं।'' टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता से बात करते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी यही बात कही। समझा जाता है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और टीम प्रबंधन ने अपने रुख पर चर्चा करने के लिए बैठक की, क्योंकि भारत में विपक्षी दलों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी इस मैच का विरोध हो रहा था। विपक्षी दलों ने इसे पहलगाम आतंकी हमले से पीड़ित परिवारों की भावनाओं से ऊपर पैसे को तरजीह देने का मामला बताया था। इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

गंभीर और सीनियर खिलाड़ी मैच के दौरान किसी भी समय हाथ न मिलाने पर एकमत थे। यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया था, बल्कि काफी विचार-विमर्श के बाद लिया गया था।

हम पहलगाम पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाना चाहते थे : गौतम गंभीर

दुबई/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मिली जीत को अच्छी करार दिया लेकिन उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि टीम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने में सफल रही। टूर्नामेंट के प्रसारणकर्ता सोनी स्पोर्ट्स से बात करते हुए गंभीर ने कहा, ''यह अच्छी जीत है लेकिन टूर्नामेंट में अभी बहुत क्रिकेट बाकी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि एक टीम के रूप में हम पहलगाम हमले के पीड़ितों, सभी परिवारों और उनके साथ हुई घटनाओं के प्रति अपनी एकजुटता दिखाना चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''हम ऑपरेशन सिंदूर में मिली सफलता के लिए सशस्त्र बलों को भी धन्यवाद देना चाहते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हम देश को गौरवान्वित और खुश करने का प्रयास करेंगे।'' इस मैच के बारे में गंभीर ने कहा कि वह अपने खिलाड़ियों से इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा, ''आप इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते, खासकर गेंदबाजों ने जिस तरह से गेंदबाजी की। अगर आप विरोधी टीम को 127 रन पर रोक रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आपने बहुत अच्छी गेंदबाजी की।'' पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''हमने जिस तरह से शुरुआत की वह भी महत्वपूर्ण थी और खिलाड़ी दिन-प्रतिदिन अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।'' गंभीर एक साल से भारतीय टीम के प्रभारी हैं और उनके कार्यकाल में मिश्रित परिणाम देखने को मिले हैं। राष्ट्रीय टीम के साथ अब तक के अपने समय के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने कहा, ''आप सेब और संतरे की तुलना नहीं कर सकते। कुछ लोगों को बदलाव स्पष्ट रूप से नजर नहीं आ रहा होगा, लेकिन हमने खिलाड़ियों का समर्थन जारी रखा है, सहयोगी स्टाफ ने उनका समर्थन जारी रखा है और हम भविष्य में भी अच्छे परिणाम हासिल करते रहेंगे।''

सरकार ने वक्फ पर न्यायालय के आदेश का स्वागत किया, विपक्ष ने कहा- 'विकृत मंशा' नाकाम हुई

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि इसने संशोधित कानून के पीछे छिपी 'विकृति मंशा' को काफी हद तक नाकाम कर दिया है। सरकार ने भी फैसले का स्वागत किया और कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है तथा अधिनियम के प्रावधान पूरे मुस्लिम समुदाय के लिए लाभकारी हैं।

कई मुस्लिम संगठनों ने न्यायालय के आदेश का स्वागत किया। हालांकि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने निराशा जताई और कहा कि व्यापक संवैधानिक चिंताओं का समाधान नहीं करने के कारण कई प्रावधानों का दुरुपयोग होगा जबकि इस पूरे कानून को ही निरस्त करने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कई महत्वपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगा दी जिनमें यह प्रावधान भी शामिल है कि पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन कर रहे लोग ही वक्फ बना सकते हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने पूरे कानून पर स्थगन से इनकार कर दिया। न्यायालय ने वक्फ संपत्तियों की स्थिति पर निर्णय करने के लिए जिलाधिकारी को दी गई शक्तियों पर भी रोक लगा दी और वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम भागीदारी के विवादास्पद मुद्दे पर फैसला सुनाते हुए निर्देश दिया कि केंद्रीय वक्फ परिषद में 20 में से चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए और राज्य वक्फ बोर्डों में 11 में से तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए।

मोदी ने बहुत देर से मणिपुर की यात्रा की, यह काफी नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मणिपुर यात्रा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि उन्होंने बहुत देर कर दी और ये काफी नहीं है। पार्टी ने यह दावा भी किया कि भाजपा ने असम की प्रधानमंत्री की दो दिवसीय यात्रा के दौरान जवाहरलाल नेहरू और राहुल गांधी के खिलाफ झूठे आरोप लगाए।

कांग्रेस सांसद प्रद्युत बारदोलोई ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री को मणिपुर की यात्रा के लिए ढाई साल से ज्यादा समय लग गया। इस अवधि के दौरान वह 39 देशों और कुछ देशों की तो कई बार यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हम दो साल पहले मई में संघर्ष शुरू होने के बाद से ही प्रधानमंत्री से मणिपुर का दौरा करने की मांग कर रहे थे।

बारदोलोई ने दावा किया कि मोदी ने असम की अपनी यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के समय पाकिस्तान का समर्थन करने का आरोप लगाकर तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया। सांसद ने कहा, मंगलदई में (रविवार को) अपनी सभा में मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पाकिस्तान का समर्थन किया था। लेकिन कांग्रेस हमेशा भारतीय सशस्त्र बलों के साथ खड़ी रही है और यह सर्वविदित है। जब संसद में इस मामले पर चर्चा हुई थी, तो हमारे नेता राहुल गांधी ने हमारे सशस्त्र बलों की प्रशंसा की थी।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह और बीसीसीआई सचिव सैकिया का जिक्र करते हुए बारदोलोई ने कहा, दूसरी ओर, मोदी के दाहिने हाथ अमित शाह के बेटे और असम के मुख्यमंत्री के करीबी दोस्त देवजीत सैकिया ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट खेलने के लिए तुरंत सहमति दे दी। यह उनके पाखंड को दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम आपसे आग्रह करते हैं कि अब पूर्वोत्तर में मगरमच्छ के आंसू न बहाएं। बारदोलोई ने प्रधानमंत्री की असम यात्रा के दौरान नेहरू का ज़िक्र करने के लिए भाजपा और मोदी पर भी निशाना साधा। प्रधानमंत्री की असम यात्रा रविवार शाम को समाप्त हुई। असम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया ने भी संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा भले ही दिग्गज गायक और संगीतकार भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी मना रही है, लेकिन हजारिका के गीतों में व्यक्त सद्भाव के विपरीत पार्टी सांप्रदायिक राजनीति का प्रचार करती है।

भारतीय टेनिस की मदद के लिए सिर्फ पद पर काबिज होना ही एकमात्र रास्ता नहीं है : सानिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुसार देश के प्रत्येक खेल महासंघ की 15 सदस्यीय कार्यकारी समिति में चार महिलाओं का होना अनिवार्य है लेकिन दिग्गज खिलाड़ी सानिया मिर्जा का मानना है कि युवा प्रतिभाओं को तराशने में उनकी भूमिका अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) में एक पद से कहीं अधिक है।

खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए पथ प्रदर्शक रहीं सानिया ने अपने दुबई स्थित आवास से पीटीआई से कई मुद्दों पर बात की जिनमें टेनिस में वेतन समानता से लेकर स्विट्जरलैंड के खिलाफ भारत की डेविस कप जीत शामिल रहीं जबकि उन्होंने 16 साल की माया राजेश्वरन रेवती की विशेष प्रतिभा पर भी बात की है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह निकट भविष्य में खेल प्रशासन में दिखाई दे सकती हैं तो सानिया ने

इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि मदद करने के लिए उस शक्तिशाली पद पर होना ही एकमात्र तरीका है। ईमानदारी से कहूं तो मेरा यही जवाब है। अगर मुझे मौका मिले तो क्या मैं कर पाऊंगी, तो क्या मैं उस पद पर रहकर और योगदान दे पाऊंगी तो मैं ऐसा करना पसंद करूंगी। लेकिन क्या मैं इसका लक्ष्य बना रही हूं तो मेरा जवाब है, नहीं। क्योंकि यह मेरा लक्ष्य नहीं है।''

सानिया के लिए भारतीय टेनिस की अगली पीढ़ी के स्तर को बढ़ाने में मदद करने के लिए कोई पद पर बैठना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मेरा लक्ष्य युवा पीढ़ी के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों और विशेषकर युवा लड़कियों की मदद करना है क्योंकि मुझे लगता है कि उनके पास ज्यादा आदर्श नहीं हैं जिनसे वे प्रेरणा ले सकें।''

सानिया ने कहा, ''मैं अपने अनुभव साझा करना चाहती हूं। और अगर मुझे इसके लिए किसी तंत्र में शामिल होने का मौका मिलता है और इससे मुझे सिर्फ फोन पर बात करने या कोर्ट पर उनकी मदद करने या किसी भी तरह की अन्य चीज से ज्यादा मौके मिलते है तो मुझे ऐसा करने में खुशी होगी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मेरा फोकस इस पर नहीं है। यह मेरा लक्ष्य नहीं है।''

सानिया के बाद भारत में महिला टेनिस में कौन उभरती हुई प्रतिभा है , यह पूछने पर उन्होंने माया राजेश्वरन रेवती का नाम लिया ।

माया स्पेन में राफेल नडाल अकादमी में ट्रेनिंग लेती हैं। सानिया ने कहा, ''माया में काफी प्रतिभा है। मेरे बाद कौन आएगा, यह ऐसा सवाल है जिससे हम शायद पिछले 25 साल से जूझ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''तो एक 15-16 साल की युवा खिलाड़ी को आगे बढ़ते हुए देखना और अपने आयु वर्ग के ऊपर वर्गों में भी अपनी पकड़ बनाए रखते हुए देखना अच्छा लगता है।''

सानिया ने कहा, ''मुझे लगता है कि आज के जमाने में बराबर इनामी राशि होना चर्चा का विषय भी नहीं होना चाहिए क्योंकि इसमें जो मेहनत लगती है, जो खर्च होता है, वह महिला और पुरुष दोनों के लिए एक जैसा है।''

सुविचार

सपनों की ओर यात्रा में आत्मविश्वास सबसे महत्वपूर्ण साथी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तंबाकू की लत, स्वास्थ्य चौपट

दुनिया में हर साल विभिन्न अध्ययन तंबाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हैं, लेकिन बहुत कम लोग इसकी लत को छोड़ पाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल 13.5 लाख लोग तंबाकू के कारण जान गंवाते हैं। कई परिवार ऐसे हैं, जो आर्थिक अभावों का सामना कर रहे हैं। उनमें भी ऐसे सदस्य मिल जाएंगे, जो हर महीने अपनी कमाई का एक निश्चित हिस्सा तंबाकू उत्पादों पर खर्च कर देते हैं। एक ओर तंबाकू उत्पादों ने बाजार में जगह बना ली है, वहीं अब तंबाकू-मुक्त निकोटीन विकल्पों का प्रचार किया जा रहा है। ये कितने सुरक्षित हैं, इस पर बहस होनी चाहिए। भारत के एक प्रसिद्ध चिकित्सा संस्थान के विशेषज्ञ का यह कहना उल्लेखनीय है कि निकोटीन पाउच जोखिम-मुक्त नहीं हैं। चूंकि भारत में तंबाकू के इस्तेमाल की दर बहुत ज्यादा है और हर दस में से एक भारतीय की तंबाकू से जुड़ीं बीमारियों के कारण असमय मौत हो जाती है, इसलिए अब समय आ गया है कि हम सुरक्षित विकल्पों पर विचार करें। अगर ऐसे विकल्पों को सख्ती से नियंत्रित किया जाए तो लोगों को सिगरेट छोड़ने में मदद मिल सकती है। 'पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड' नामक संस्था के इस अनुमान की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है कि धुआं-मुक्त निकोटीन विकल्प धूम्रपान की तुलना में 95 प्रतिशत तक कम हानिकारक हैं। हालांकि हमें इस तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि उसने ऐसे विकल्पों को 100 प्रतिशत सुरक्षित नहीं बताया है।

बड़ा सवाल यह है कि बच्चों को तंबाकू के नशे से कैसे दूर रखा जाए? इसके लिए सबसे पहले उन वजहों के बारे में जानना होगा, जो उन्हें तंबाकू की लत की ओर लेकर जाती हैं। प्रायः कई बच्चे जिज्ञासावश तंबाकू का नशा शुरू कर देते हैं। अगर परिवार में कोई सदस्य तंबाकू का सेवन करता है तो बच्चों को इसकी आदत लगने की आशंका ज्यादा होती है। कई बच्चे अपने दोस्तों के साथ तंबाकू का सेवन करने लगते हैं।

बड़ा सवाल यह है कि बच्चों को तंबाकू के नशे से कैसे दूर रखा जाए? इसके लिए सबसे पहले उन वजहों के बारे में जानना होगा, जो उन्हें तंबाकू की लत की ओर लेकर जाती हैं। प्राय: कई बच्चे जिज्ञासावश तंबाकू का नशा शुरू कर देते हैं। अगर परिवार में कोई सदस्य तंबाकू का सेवन करता है तो बच्चों को इसकी आदत लगने की आशंका ज्यादा होती है। कई बच्चे अपने दोस्तों के साथ तंबाकू का सेवन करने लगते हैं। दुकानों पर तंबाकू उत्पादों का आसानी से उपलब्ध होना भी इसकी लत को बढ़ावा देता है। नशे का यह सामान लोगों के स्वास्थ्य का नाश कर रहा है। बेहतर तो यह होगा कि सरकार तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए या इनकी बिक्री के नियम इतने सख्त हों कि स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थी इन्हें खरीद ही न पाएं। शिक्षण संस्थानों में समय-समय पर अचानक निरीक्षण करना चाहिए, ताकि जो विद्यार्थी तंबाकू का सेवन करते हों, उनका पता लगाने में आसानी हो। उनके साथ सख्ती करने के बजाय स्नेह से समझाना चाहिए कि तंबाकू आपके जीवन के लिए बहुत खतरनाक है। माता-पिता को चाहिए कि वे तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में बच्चों से खुलकर बात करें। अगर घर में कोई व्यक्ति तंबाकू का सेवन करता है तो पहले उसे नशा छोड़कर मिसाल कायम करनी चाहिए। गांवों में कई बच्चे इसलिए धूम्रपान करने लग जाते हैं, क्योंकि वे बड़े-बुजुर्गों के लिए हुक्का-चिलम भरकर लाते हैं। नशाखोरी को परंपरा और प्रतिष्ठा का सूचक बना लेना कोई गर्व की बात नहीं है। घरों में खैनी, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, चिलम, शराब जैसी नुकसानदेह चीजें नहीं, बल्कि अच्छी किताबें रखेंगे, तो बच्चों का भविष्य संवरेगा। नशा हमेशा नाश की ओर लेकर जाता है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु संचालित सुसमा अभियान के समापन समारोह एवं अभियंता दिवस आयोजन कार्यक्रम में सहभागिता कर राष्ट्र निर्माण में अपना सतत योगदान देने वाले सभी अभियंताओं को इस गौरवपूर्ण दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

-दीया कुमारी

भारत-पाक युद्ध में अपनी निर्भीकता से शौर्य की गाथा लिखने वाले, अजेय पराक्रम के प्रतीक, परमवीर चक्र से अलंकृत लांस नायक करम सिंह जी की जयंती पर शत-शत नमन।भारत-पाक युद्ध में विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अदम्य साहस और अटूट वीरता का परिचय दिया।

-ओम बिरला

भारत रत्न से सम्मानित महान राजनयिक व अभियंता डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन! उन सभी इंजीनियरों को जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। और प्रौद्योगिकी में योगदान दिया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

महानता की आभा

चीन की एक प्रसिद्ध बोधकथा है। वहां एक ज़ेन गुरु थे जो अपने शिष्यों को अध्यात्म के साथ-साथ तलवारबाज़ी का भी प्रशिक्षण देते थे। एक दिन उनके एक शिष्य ने पूछा, 'गुरुजी, सबसे महान तलवारबाज़ कौन होता है?' गुरु मुस्कुराए और बोले, 'इस पहाड़ी के पार एक विशाल चट्टान है। जाओ और उसका अपमान करो। फिर जब वह कोई प्रतिक्रिया न दे, तो उस पर अपनी तलवार से प्रहार करना।' शिष्य ने चौंककर कहा, 'गुरुजी, इससे तो मेरी तलवार ही टूट जाएगी, चट्टान को कोई क्षति नहीं पहुंचेगी।' गुरु शांत भाव से बोले, 'ठीक इसी में महानता छिपी है। जो व्यक्ति चट्टान की भांति अडिग, शांत और अजेय हो, वही सच्चा तलवारबाज़ है। उसे अपनी शक्ति जताने के लिए तलवार निकालनी नहीं पड़ती उसका व्यक्तित्व ही सामने वाले को स्पष्ट कर देता है कि उस पर विजय संभव नहीं।'

सामयिक

नेपाल के हिंसक विद्रोह की गहराई से पड़ताल आवश्यक

अवधेश कुमार

मोबाइल : 98110 27208

नेपाल में उथल-पुथल के बीच श्रीमती सुशीला कार्की ने अंतिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। किंतु इसके पूर्व तीन दिनों में नेपाल जिस अकल्पनीय हिंसा, उथल-पुथल और हृदयविदारक घटनाओं से गुजरा उसने सबको डराया है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरुद्ध जेन जी के बैनर से जारी विरोध प्रदर्शन कितना उग्र, हिंसक, अराजक और अनेक मायनों में अपराधक हुआ। ऐसा लगता था जैसे उग्र भीड़ नेपाल की राजनीति और सत्ता से संबंधित हर चीज नष्ट करना चाहती हो। संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास, राष्ट्रपति आवास और उच्चतम न्यायालय जला देना, मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों, नेताओं के घरों में घुसकर, खींच-खींच कर सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटना और महिलाओं को भी नहीं बख्शना किसी आंदोलन का पर्याय नहीं हो सकता। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी को जलाया गया। शेर बहादुर देउबा की पत्नी विदेश विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा की बेरहम पिटाई वाकई हृदयविदारक थी। लगता था जैसे भीड़ किसी भी नेता को नेपाल की धरती पर साक्षात सहन करने को ही तैयार नहीं थी। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सेना ने हेलीकॉप्टर से बचाकर निकाला। नेताओं के व्यक्तिगत घर भी जला डाले गए। केवल सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के कारण इस तरह का हिंसक विरोध, जिसने उग्र अराजकता की सीमाएं पार कर दिया गले नहीं उतरता।

जरा सोचिए, 28 अगस्त को नेपाल सरकार ने 26 सोशल मीडिया साइट को प्रतिबंधित किया जिन्होंने वहां रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था और 3 सितंबर को आंदोलन आरंभ हो गया। ठीक है कि सोशल मीडिया नई पीढ़ी और सक्रिय लोगों के जीवन में इतना पैठ बना चुका है कि प्रतिबंध सामान्य तौर पर स्वीकार नहीं हो सकता। नेपाल में सोशल मीडिया के माध्यम से 12 अरब डॉलर माह से ज्यादा का कारोबार हो रहा है। नई पीढ़ी रील बनाने से लेकर अन्य वीडियो आदि से भारी कमाई कर रही है। सोशल मीडिया भुगतान का भी जरिया बन गया है। तो नेपाल में इसका प्रतिबंधित होना आसानी से स्वीकार नहीं हो सकता था। सरकार का कहना था कि सोशल मीडिया के माध्यम से देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया जा रहा था, सांप्रदायिक घृणा भी फैलाई जा रही थी। इसलिए इनका नियमन करना जरूरी है। उच्चतम न्यायालय ने निबंधन की बात कही थी कि जिसका आधार बनाकर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन उग्र विरोध को देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध भी हटा लिया। अगर केवल इसका प्रतिबंध विरोध का कारण होता तो ऐसी स्थिति नहीं बनती। पहले दिन ही विरोध प्रदर्शन के बीच 21 लोगों की मृत्यु आग में घी डालने वाला साबित हुआ इतनी बड़ी संख्या में किसी आंदोलन में सुरक्षा बलों की कार्रवाई से मृत्यु हो तो गुस्सा उत्तेजना पैदा होना स्वाभाविक था। बावजूद ऐसी हिंसा, हर विचारधारा की राजनीति और नेताओं को संपूर्ण नष्ट करने की सीमा तक अभियान चलाना किसी दृष्टिकोण से सामान्य नहीं था।

हाल के समय में जहां भी इस तरह की घटनाएं हुई हमने आधार कारणों का विश्लेषण करते हुए प्रकारांतर से उन्हें न्यायसंगत ठहराने की कोशिश की है। नेपाल के संदर्भ में भी नेताओं के भ्रष्टाचार, उनके बच्चों का विलासितापूर्ण जीवन, राजनीतिक अस्थिरता आदि को इसके पीछे प्रमुख कारण बताया गया। यह तो नहीं कह सकते कि नेपाल में असंतोष और विरोध के कारण नहीं थे। 2006 में माओवादियों के शांति समझौते के बाद 2008 में राजशाही के अंत के साथ आरंभ संसदीय लोकतंत्र का प्रयोग नेपाल में अनेक विद्रूपताओं का शिकार हुआ। 2008 से एक नया दौर आरंभ हुआ तो 2015 में फिर नए संविधान के साथ नेपाल ने कदम आगे बढ़ाया। किंतु 17 वर्षों में 14 सरकारों के आने- जाने से बड़ा प्रमाण राजनीतिक अस्थिरता का क्या हो सकता था। हथियार के दबाव में परिवर्तन लाने वाले पुष्पकमल दहल प्रचंड तीन बार प्रधानमंत्री बने तो कम्युनिस्ट पार्टी और नेपाल के केपी शर्मा ओली तथा कांग्रेस के शेर बहादुर भी इतनी ही बार। ओली ने भारत विरोधी चीन के प्रति झुकाव रखने वाली एक अजीब किस्म के नेपाली राष्ट्रवाद को प्रचलित किया जिनसे उनके समर्थक और विरोधी दोनों पैदा हुए।

आप देखेंगे कि पिछले काफी समय से नेपाल में अलग-अलग किस्म के आंदोलन चलाते रहे हैं जिनमेंनेपाल को फिर हिंदू राष्ट्र घोषित करने तथा राजशाही की पूर्ण वापसी प्रमुख था। इनकी रैलियों में हजारों लोग आने लगे। नेपाल के ज्यादातर जिलों में इनकी रैलिया हुई और हजारों लोगों की इनमें भागीदारी थी। केपी शर्मा होली ने राजा ज्ञानेंद्र की गतिविधियों को रोकने की कोशिश की तथा आंदोलन में हुए तोड़फोड़ के लिए उन पर 7 करोड़ 93 लाख का जुर्माना भी लगाया। उनकी सुरक्षा परिवर्तित कर दी गई। मधेसी आंदोलन ने सदियों से उपेक्षित यहां तक की नागरिकताविहीन व्यक्तियों के दमन को आवाज दी किंतु अधिकतर मधेस नेता भी राजनीतिक स्वार्थ एवं निजी लाभ के वशीभूत एकजुट नहीं रह सके। उन्होंने भी निराश किया। नेपाल का संघीय ढांचा भी कोई एक रूप न ले सका। हाल में नेपाल में मुस्लिम तथा ईसाई समुदाय की बढ़ती आबादी के विरुद्ध भी असंतोष बढ़ा है। मुस्लिम आबादी तराई या मधेश के क्षेत्र में है और उसके कारण समाज में असहज स्थिति पैदा हुई है। इसके विरुद्ध भी आप छोटे बड़े प्रदर्शन आंदोलन चल रहे हैं। नेपाल विश्व का एकमात्र हिंदू राष्ट्र था। 2008 की संविधान सभा सह संसद ने बिना घोषणा के हिंदू राष्ट्र का अंत कर नेपाल को सेक्युलर देश घोषित किया। इसमें बालेंद्र शाह जैसे रैपर तथा सूदन गुरुंग जैसे हामी नेपाल एनजीओ के संचालकों ने नई पीढ़ी को आकर्षित किया। उनकी लोकप्रियता बढ़ी । बालेंद्र शाह ने कांग्रेस और कम्युनिस्ट दोनों को पराजित कर काठमांडू के मेयर का चुनाव जीता तथा 2023 में टाइम्स पत्रिका ने उन्हें विश्व के 100 प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल कर दिया। यह नेपाल के लोगों खासकर युवाओं की बदलती प्रवृत्ति का प्रमाण था कि स्थापित नेताओं की जगह ऐसे लोगों को प्रमुखता मिली। हालांकि इस बीच दुर्गा परसाई जैसे राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक पार्टी के नेता भी उभरे जो संवैधानिक राजशाही की पुनर्स्थापना के समर्थक हैं। इस आंदोलन के बीच उनकी 21 सांसदों ने त्यागपत्र देकर सरकार के जाने का भी आधार बनाया। बेरोजगारी के कारण युवाओं का विदेशों में पलायन नेपाल के लिए आम बात थी। इस समय नेपाल के लोग दुनिया के अनेक कोने में है। वहां से प्रभावित हैं तथा आम लोग अब राजनीति, सत्ता, अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, विदेश संबंध, नेताओं की स्थिति पर ग्रहन व गंभीर विमर्श करते हैं। तो वहां असंतोष और विद्रोह के आधार व्यापक थे एवं लोगों के अंदर वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था से उभर कर नई व्यवस्था स्थापित करने का भाव भी होना स्वाभाविक है।

किंतु कई बार हम जल्दीबाजी में तात्कालिक घटनाओं की वास्तविक पृष्ठभूमि, उसके उसके पीछे की सोच, विचारधारा तथा इसके भावी डरावने प्रभावों का आकलन नहीं कर पाते। दूसरे, इस कारण हम ऐसे हिंसक अराजकता के विद्रोह को न्यायसंगत भी ठहरा देते हैं जो किसी के हित में नहीं। नेपाल अकेला देश नहीं है जहां राजनीति और सत्ता भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हो और काफी हद तक प्रत्यक्ष दिखाई भी पड़ता हो। राजनीति में परिवारवाद या नेताओं के परिवारों का संपन्न और सुख सुविधाओं से भरे जीवन जीने की स्थिति भी अनेक देशों में है। बेरोजगारी या आर्थिक समस्याओं का सामना भी अनेक देश कर रहे हैं।

इस तरह की स्थिति इसके पूर्व दक्षिण एशिया में श्रीलंका तथा बांग्लादेश में ही पैदा हुई। बांग्लादेश की घटना के पीछे अमेरिका और तथा पाकिस्तान की प्रमुख भूमिका थी। शेख हसीना के पलायन के बाद देखा गया कि 1971 के बांग्ला मुक्ति संघर्ष से जुड़े अवशेषों को एक-एक कर नष्ट किया गया तथा देश को इस्लामी राज की दिशा में ले जाया गया। कट्टर इस्लामाबादी उग्रवादी समूहों ने आंदोलन को आरक्षण विरोध के बहाने खड़ा किया था। श्रीलंका में भी आप देखेंगे कि राजपक्षे परिवार के शासन के अंत के बाद उस तरह देश के आर्थिक रूप से दिवालिया हो जाने, नष्ट हो जाने, भूखमरी आदि की बात सामने नहीं आई।

कहने का तात्पर्य इस तरह के विद्रोहों के पीछे ऐसी सोच, विचारधारा, योजना और तैयारी रही है जिसकी ओर हमारा स ध्यान नहीं जाता। आखिर यह कैसा आंदोलन है कि बुजुर्ग नेताओं को बेरहमी से पीटा जाए, महिलाओं तक को भी छोड़ा जाए तथा संसद भवन से लेकर उच्चतम न्यायालय में आग लगा दिया जाएं? आज भी स्थिति यह है कि अगर आप इस तरह के कृत्यों का तार्किक विरोध करें तो आपको उग्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान भारत के प्रति विरोध की भी अनेक घटनाएं सामने आई। साफ है कि नेपाल के पूरे घटनाक्रम के पीछे के कारणों की गहराई से पड़ताल करनी होगी। पूरे विश्व में विरोधों का जैसा चरित्र दिख रहा है उसी क्रम में ही इसे देखा जाना चाहिए।

नजरिया

'एसआईआर' : आसान नहीं आगे की राह

रोहित माहेश्वरी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का काम पूरा होते ही चुनाव आयोग अब बिहार की तर्ज पर देश भर में एसआईआर कराएगा। इसकी शुरुआत अक्टूबर के पहले हफ्ते से हो सकती है। चुनाव आयोग ने बीते दिनों सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ चर्चा में एसआईआर से जुड़ी तैयारियों को जांचा। साथ ही बिहार में कराए गए एसआईआर के दौरान दिए गए दिशा-निर्देशों का बारीकी से अध्ययन करने के निर्देश दिए। एसआईआर पर विपक्ष लगातार विरोध जता रहा है। संसद के मानसून सत्र में सड़क से लेकर सदन तक एसआइआर का विपक्ष ने जमकर विरोध किया। विपक्ष के विरोध के बावजूद चुनाव आयोग ने एसआइआर का काम रोका नहीं। बिहार में एसआइआर का काम इसी महीने 30 सितंबर को पूरा रहा है। इस दिन बिहार की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित हो जाएगी। एसआइआर का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को ध्यान से सुना और चुनाव आयोग को दिशा निर्देश भी दिए। एसआईआर पर विपक्ष का विरोध समझ से परे है। आाखिरकार अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट में रखने का क्या औचित्य है? अगर फर्जी, डुप्लीकेट या मृत नागरिकों का नाम वोटर लिस्ट से हटा देने में बुराई क्या है? क्या राजनीतिक दल नहीं चाहते कि लोकतंत्र मजबूत हो। चुनाव निष्पक्ष और साफ सुथरी वोटर लिस्ट के जरिये हों। आखिरकार विपक्ष का दर्द समझ से परे है।

जो भी हो, आवश्यकता इस बात की है कि यह अभियान प्रभावी ढंग से चलाया जाए, भले ही इसमें कुछ विलंब हो। बिहार के अनुभव ने इस आवश्यकता पर और अधिक बल दिया है कि पूरे देश में मतदाता सूचियों का सत्यापन होना चाहिए। सच तो यह है कि यह कार्य एक निश्चित अंतराल के बाद होते ही रहना चाहिए। यह ठीक नहीं कि बिहार में 2003 के बाद अब जाकर मतदाता सूची के सत्यापन करने की प्रक्रिया शुरु की जा सकी। चुनाव आयोग को देशव्यापी एसआइआर करते समय इसके लिए भी तैयार रहना होगा कि उसे विपक्षी दलों और साथ ही स्वयं को लोकतंत्र का स्वयंभू पैरोकार बताने वाले लोगों के विरोध और दुष्प्रचार का सामना करना पड़ सकता है। इसका अंदेशा इसलिए है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया को हरी झंडी दिखाए जाने के बावजूद विपक्षी दल अपने बेजा विरोध से बाज नहीं आ रहे हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी मतदाता सूची के सत्यापन की संभावित प्रक्रिया के खिलाफ खड़ी हो गई हैं।

अब भारतीय चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने की योजना बना रहा है। हाल ही में बिहार में चल रही इस प्रक्रिया से उपजे राजनीतिक प्रतिवाद को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि आसन्न चुनाव वाले राज्य बिहार में एसआइआर की प्रक्रिया न्यायिक जांच के दायरे में हैं। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि यह सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का दायित्व है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार के मौलिक हक से वंचित न रहे । उल्लेखनीय है कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची इस महीने के अंत तक प्रकाशित होने वाली है। इसमें दो राय नहीं कि देश में पड़ोसी देशों के नागरिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ गाहे-बगाहे होती रही है। कुछ लोग बेहतर भविष्य की तलाश में गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुस आते हैं। फिर कतिपय वोट बैंक के ठेकेदारों, दलालों व भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से जाली कागजात बनवाकर वोट डालने के अधिकारी बन जाते हैं। निस्संदेह, यह गैर-कानूनी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए। ऐसे में दो राय नहीं हो सकती है कि मतदाता सूची में त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करने करने के लिये तथा अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग को एसआईआर की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में सत्तारूढ़ दल के असहयोग के साथ अन्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है। एक बड़ी चुनौती उन दस्तावेजों के सत्यापन की हो सकती है, जिनके आधार पर कोई अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग द्वारा तय किए गए दस्तावेजों में आधार को भी शामिल कर लिया है और यह किसी से छिपा नहीं कि बंगाल में सर्वाधिक नकली अथवा फर्जी दस्तावेजों के सहारे आधार से लैस लोगों की संख्या सबसे अधिक होने की आशंका है। यह कोई हैरानी की बात नहीं कि बांग्लादेश से अवैध तरीके से आए लोगों ने मतदाता पहचान पत्र के साथ आधार और अन्य अनेक वे दस्तावेज हासिल कर लिए हैं, जिनसे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है और साथ ही खुद को भारतीय नागरिक बताया जा सकता है।

यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कि अभारतीय नागरिक फर्जी प्रमाण पत्रों अथवा गलत जानकारी के आधार पर भारतीय नागरिक होने के पहचान पत्र हासिल कर लें और अंतत: मतदाता भी बन जाएं। ऐसे लोग केवल भारतीय लोकतंत्र के साथ छल करने वाले ही नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा भी हो सकते हैं। कोई भी चुनाव हो, उसमें मतदान करने का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही मिलना चाहिए। निस्संदेह, राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अपरिहार्य है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सरल होनी जरूरी है। जिसमें वास्तविक नागरिकों के हितों तथा चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा दिक्कत राजनीतिक दलों के मुखर विरोध की भी है। खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर क्रियान्वयन तो और ज्यादा मुश्किल होगा। हाल के वर्षों में देखा गया है कि सीमावर्ती राज्यों में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता विदेशी नागरिकों के जरूरी कागजात बनवाने में गुरेज नहीं करते। यह भी हकीकत है कि चुनाव आयोग को विश्वास की कमी को पाटने के लिये सभी हितधारकों को एक साथ लाने और इस धारणा को दृढ़ता से दूर करने की आवश्यकता होगी कि उसकी इस कार्रवाई से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर केंद्र के सत्तारूढ़ दल को लाभ नहीं पहुंचता है।

बीते अगस्त में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता बिहार के सासाराम में चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए एक रैली को संबोधित कर रहे थे।इसके कुछ ही मिनटों के बाद सासाराम से क़रीब 900 किलोमीटर दूर देश की राजधानी दिल्ली में चुनाव आयोग की तरफ से इन आरोपों पर जवाब देने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर 'वोट चोरी' कर रहे हैं और 'बिहार में एसआइआर वोट चोरी करने की कोशिश' है। जिस तरीके से विपक्ष खासकर वोट चोरी को आरोप लगा रही है, और चुनाव आयोग को लगातार निशाने पर लिए हुए है। ऐसे में देशभर में जहां एनडीए की सरकार नहीं है, वहां एसआइआर की राह में मुश्किलें खड़ी होना लाजिमी है। अब यह देखना अहम होगा कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के विरोध से निपटकर एक साफ सुथरी वोटर लिस्ट कैसे तैयार करता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

आंखों का रंग क्यों होता है अलग-अलग? जानिए क्या है इसके पीछे का विज्ञान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोल्ड कोस्ट। आप किसी से मिलते हैं और आपकी नजरें उनकी आंखों पर टिक जाती हैं। वे बहुत गहरी, मिट्टी के जैसी भूरी, हल्की नीली, या हरे रंग की हो सकती हैं, जो रोशनी की झिलमिलाहट पड़ने पर बदलती रहती हैं। वह अक्सर पहली चीज होती हैं, जो हम किसी के बारे में नोटिस करते हैं। कभी-कभी ये उस व्यक्ति विशेषताएं होती हैं, जो हमें सबसे अधिक याद रह जाती हैं। दुनिया भर में, इंसानों की आंखों का रंग बहुत विस्तृत होता है। भूरा रंग खासकर अफ्रीका और एशिया में अब तक का सबसे आम रंग है, जबकि नीला रंग उत्तरी और पूर्वी यूरोप में सबसे ज्यादा देखा जाता है। हरा रंग सबसे दुर्लभ है, जो दुनिया की लगभग 2 प्रतिशत आबादी में ही पाया जाता है। हेजल रंग की आंखें और भी विविधतापूर्ण होती हैं, जो अक्सर प्रकाश के अनुसार हरी तो कभी भूरी रंग की दिखाई देती हैं।ऐसे में सवाल उठता है कि आंखों के रंगों में यह अंतर कैसे होता है?यह सब मेलेनिन की वजह से होता है। मेलेनिन एक प्राकृतिक रंगद्रव्य (पिगमेंट) होता है, जो मेलानोसाइट्स नामक विशेष त्वचा कोशिकाओं में उत्पन्न होता है। यह त्वचा, बालों और आंखों को रंग देता है।

इस सवाल का जवाब 'आइरिस' में छिपा है, जो पुतली के चारों ओर ऊतक का रंगीन घेरा होता है। यहां 'मेलेनिन' अपने ज्यादातर काम करता है।भूरी आंखों में मेलेनिन की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसकी वजह से आंखों में प्रकाश अवशोषित होता है और उनका गहरा रंग हो जाता है। नीली आंखों में मेलेनिन बहुत कम होता है। उनका रंग पिगमेंट से नहीं, बल्कि आइरिस के अंदर प्रकाश के बिखरने से आता है। यह एक भौतिक प्रभाव होता है जिसे टिंडल प्रभाव के रूप में जाना जाता है। यह प्रभाव भी कुछ-कुछ वैसे प्रभाव की तरह होता है, जिसकी वजह से आकाश नीला होता है। नीली आंखों में, प्रकाश की छोटी नीली तरंगदैर्घ्य (वेवलेंथ) लाल या पीले जैसी लंबी तरंगदैर्घ्य की तुलना में अधिक प्रभावी ढंग से बिखरती है।

मेलेनिन की कम सांद्रता (कंसेंस्ट्रेशन) के कारण, कम प्रकाश अवशोषित होता है, जिससे हमें बिखरा हुआ नीला प्रकाश दिखाई देता है। यह नीला रंग पिगमेंट के कारण नहीं, बल्कि आंख की संरचना के साथ प्रकाश के संपर्क के कारण उत्पन्न होता है। हरी आंखें प्रकाश के बिखराव के साथ स्तरित मेलेनिन की मध्यम मात्रा के संतुलन का परिणाम होती हैं। आंखें हरी होने का कारण मध्यम मात्रा में मेलानिन और प्रकाश के बिखराव को माना जाता है। इस संयोजन की वजह से आंखों का रंग हरा होता है।हेजल रंग की आंखें इससे भी अधिक जटिल प्रक्रिया के कारण होती हैं।

चीन ने शुल्क लगाने की अमेरिका की अपील को धौंस जमाने और आर्थिक दबाव बनाने का कृत्य बताया

बीजिंग/भाषा। चीन ने अमेरिका द्वारा जी-7 और नाटो देशों से अपने ऊपर और रूस से तेल खरीद रहे अन्य देशों पर शुल्क लगाने की अपील को एक पक्षीय तरीके से धौंस जमाने और आर्थिक दवाब बनाने का कृत्य करार दिया और चेतावनी दी कि यदि अमेरिका की इस अपील पर अमल किया गया तो वह जवाबी कदम उठाएगा।

चीन की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब सोमवार को स्पेन में आर्थिक और व्यापारिक मुद्दों पर अमेरिका और चीन के प्रतिनिधिमंडल दूसरी बार बैठक कर रहे हैं। जी-7 विश्व की सात प्रमुख विकसित और औद्योगिक शक्तियों का एक समूह है जिसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान शामिल हैं। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) एक सैन्य गठबंधन है, जिसमें प्रमुख पश्चिमी देशों ने मिलकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समझौता किया है और इसमें अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली समेत 30 सदस्य देश हैं।

एक नियमित प्रेस वार्ता में चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, रूस समेत दुनियाभर के देशों के साथ चीन का सामान्य आर्थिक और ऊर्जा सहयोग पूरी तरह वैध, कानून के अनुरूप है और इसमें कुछ गलत नहीं है।

प्रवक्ता से इन खबरों के बारे में पूछा गया था कि अमेरिका ने जी-7 और नाटो देशों से चीन पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की अपील की है क्योंकि वह रूस से तेल खरीद रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिन जियान ने कहा, यह अमेरिका का आर्थिक दबाव बनाने और एकपक्षीय तरीके से धौंस दिखाने वाला कदम है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों को कमजोर करता है और वैश्विक उद्योग व आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालता है।

लिन जियान ने कहा, दबाव और धौंस से समस्याओं का हल नहीं निकलता। यूक्रेन संकट को लेकर चीन का रुख स्पष्ट और स्थिर है-समाधान सिर्फ संवाद और समझौते से ही संभव है।

भारतीय मूल के होटल प्रबंधक के हत्यारे के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी : ट्रंप

ह्यूस्टन/न्यूयॉर्क/भाषा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय मूल के होटल प्रबंधक चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया को एक ''सम्मानित व्यक्ति'' बताया, जिनकी पिछले सप्ताह डलास में सिर कलम कर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। ट्रंप ने कहा कि अपराधी पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप ने कहा कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' का मुकदमा चलाया जाएगा। टेक्सास प्रांत में 10 सितंबर को 'डाउनटाउन सुइट्स' होटल में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद, मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया की उनके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज (37) ने उनकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर हत्या कर दी थी। इस घटना पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में ट्रंप ने जो बाइडन नीत पूर्ववर्ती सरकार की आव्रजन नीतियों की कड़ी आलोचना की और हमलावर को ''अवैध अप्रवासी'' बताया, जिसे उनके अनुसार देश से पहले ही निकाल देना चाहिए था।

ट्रंप ने रविवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा, ''टेक्सास के डलास में चंद्र नागमल्लैया की हत्या की भयावह खबर मिली। वह एक सम्मानित व्यक्ति थे, जिन्हें उनकी पत्नी और बेटे के सामने बेरहमी से मार दिया गया। यह हत्या क्यूबा से आए एक अवैध प्रवासी ने की, जिसे कभी हमारे देश में होना ही नहीं चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस हिरासत में मौजूद इस अपराधी पर कानून के अनुसार सबसे सख्त कार्रवाई की जाएगी और उस पर 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' का मुकदमा चलेगा। ट्रंप ने बताया कि आरोपी पहले भी बच्चों के यौन शोषण, कार चोरी और जबरन बंधक बनाने जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार हो चुका है। उन्होंने कहा कि क्यूबा ने इस ''खतरनाक अपराधी'' को अपने देश में वापस लेने से इनकार कर दिया जिसके बाद उसे अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क विभाग (आईसीई) की हिरासत से रिहा कर दिया गया। ट्रंप ने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन को जिम्मेदार ठहराया और कहा, निश्चित रहें, मेरे कार्यकाल में इन अवैध प्रवासी अपराधियों के प्रति नरमी नहीं बरती जाएगी। गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम, अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी, बॉर्डर प्रमुख टॉम होमन और मेरी सरकार के कई अन्य लोग अमेरिका को फिर से सुरक्षित बनाने के लिए बेहद प्रभावी तरीके से काम कर रहे हैं। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने नागमल्लैया की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना बेहद चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा कि नागमल्लैया एक मेहनती भारतीय-अमेरिकी नागरिक थे। उन्होंने कहा, ''मेरी गहरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। अपराधी को कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।''

शिल्पा शेट्टी ने सिखाया भ्रामरी योग

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपनी फिटनेस, आकर्षक व्यक्तित्व और अनुशासित जीवनशैली के लिए जानी जाती हैं। वे लंबे समय से योग, स्वस्थ खानपान और नियमित व्यायाम को बढ़ावा देती रही हैं। सोमवार को उन्होंने अपने प्रशंसकों के लिए सोशल मीडिया पर भ्रामरी प्राणायाम सिखाते हुए वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो के जरिए शिल्पा ने न केवल इस योग क्रिया को करने का आसान तरीका बताया, बल्कि इसके फायदों को भी उजागर किया। शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में बताया कि यह एक ऐसी योग क्रिया है, जिसमें हल्की गुनगुनाहट के साथ सांस ली और छोड़ी जाती है। शिल्पा के मुताबिक, नियमित रूप से भ्रामरी करने से मन शांत रहता है, तनाव कम होता है और जीवन में संतुलन बना रहता है। यह योग मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ एकाग्रता बढ़ाने में भी मददगार है। वीडियो के साथ शिल्पा ने कैप्शन में लिखा, गुनगुनाकर शांति पाएं।

इस संदेश के जरिए उन्होंने अपने प्रशंसकों को इस सरल योग क्रिया को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। शिल्पा ने यह भी बताया कि भ्रामरी प्राणायाम न केवल मन को सुकून देता है, बल्कि यह नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। शिल्पा शेट्टी लंबे समय से फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली की प्रबल समर्थक रही हैं। वह अपने सोशल मीडिया पर नियमित रूप से योगासन, व्यायाम के टिप्स और पौष्टिक खानपान से जुड़े नुस्खे साझा करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह एरोबिक्स स्टेप वर्कआउट करती दिख रही थीं। इसी के साथ उन्होंने इसके फायदे के बारे में भी बताया था।

इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, कूदो, झुको, लेकिन कभी रुको मत। शिल्पा जल्द ही कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म 'केडी: द डेविल' में दिखेंगी। इसके निर्देशक प्रेम हैं। फिल्म में शिल्पा के साथ ध्रुव सरजा, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रीश्मा नानैया और नोरा फतेही जैसे सितारे नजर आएंगे।

दौरा

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पंजाब के अमृतसर जिले के अजनाला में बाढ़ प्रभावित घोनेवाल गांव का दौरा किया।

फिल्म 'अवैध' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव की आने वाली फिल्म 'अवैध' का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। फिल्म अवैध में खेसारी लाल यादव के अपोजिट अपर्णा मलिक फीमेल लीड में नजर आ रही हैं। यह फिल्म सत्ता, संघर्ष और सिस्टम की जटिलताओं को दर्शाती है। फिल्म के निर्माता आदित्य कुमार झा हैं और सह-निर्माता शाम्भवी झा हैं। फिल्म का निर्देशन नीरज रणधीर ने किया है जबकि कहानी और पटकथा प्रवीण चंद्रा ने लिखी है। संवाद लेखन का जिम्मा प्रवीण चंद्रा और अभिषेक चौहान ने संभाला है।

खेसारीलाल यादव ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए खास है क्योंकि यह मनोरंजन के साथ-साथ समाज को एक मजबूत संदेश भी देती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक इस फिल्म को खुले दिल से अपनाएँगे।अपर्णा मलिक ने कहा कि यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है।

मैंने इसके लिए बहुत सारी तैयारियां भी है। मुझे उम्मीद है कि फिल्म दर्शकों को बेहद पसंद आने वाली है और मेरी भूमिका भी लोगों को पसंद आए, यही कामना है।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वेडिंग प्लानर 'कुकु' की भूमिका में नजर आयेंगे मनीष पॉल

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने हास्य कलाकार मनीष पॉल फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वेडिंग प्लानर 'कुकु' की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। स्क्रीन और स्टेज पर अपनी सहज उपस्थिति के लिए पहचाने जाने वाले मनीष इस फिल्म में हास्य और भावनाओं का बेहतरीन मिश्रण लेकर आएंगे, और ट्रेलर में उनका झलक दिखा चुका है कि वह वही मजेदार ऊर्जा लेकर आने वाले हैं। उनकी स्वाभाविकता और इमोशन के बीच तालमेल फिल्म के शादी वाले हंगामे में एक नया मजेदार रंग भरने वाला है। इस फिल्म को लेकर उत्साह इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि मनीष की केमिस्ट्री और ब्रोमांस वरुण धवन के साथ शानदार दिख रही है, जो फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। दोनों की दोस्ती स्क्रीन पर हमेशा दर्शकों को लुभाती आई है और उनका मजेदार संवादों के साथ-साथ भावनात्मक पल भी फिल्म में मनोरंजन और गर्मजोशी दोनों लाएंगे। चाहे एक-दूसरे का मजाक उड़ाना हो या भावनात्मक दृश्यों में साथ खड़े रहना, मनीष और वरुण की जोड़ी पीढ़ियों तक दर्शकों को पसंद आने वाली है।फिल्म 'जुग जुग जियो' के बाद दोनों की साथ में दूसरी फिल्म है और अब ये जोड़ी जल्द ही डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में भी साथ दिखाई देने वाली है।

फिल्म 'कथाकार की डायरी' अंतरराष्ट्रीय न्यूयॉर्क फिल्म महोत्सव में दिखाई जाएगी

मुंबई/भाषा

भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी अन्वेष ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय न्यूयॉर्क फिल्म महोत्सव में अपनी फिल्म कथाकार की डायरी के चयन की घोषणा की है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कम बजट वाली यह फिल्म आम आदमी की कहानियों के लिए एक सम्मान है और सहयोगात्मक प्रयास और रचनात्मकता का एक जीवंत उदाहरण है, जिसमें ओडिशा, मुंबई और पुणे के लगभग 200 स्थानीय रंगमंच कलाकार और तकनीशियन शामिल हैं।

कथाकार की डायरी में कपिल भागवत, योगेश जाधव, बेबी आरोही चटर्जी, अश्लेषा सुंदरमल और डैनियल विंसेंट शामिल हैं। इसका संपादन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक असीम सिन्हा ने किया है। अंतरराष्ट्रीय न्यूयॉर्क फिल्म महोत्सव 26 सितंबर से शुरू होगा और 13 अक्टूबर को समाप्त होगा।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में जान्हवी कपूर के कॉमिक अंदाज़ से चौंक जाएंगे दर्शक

मुंबई/एजेन्सी

अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'परम सुंदरी' में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं जाह्नवी कपूर अब अपनी अगली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की रिलीज़ के लिए तैयार हैं। आज फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ, जहाँ निर्देशक शशांक खैतान ने जाह्नवी कपूर के साथ फिर से काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि जाह्नवी ने डेब्यू फिल्म 'धड़क' के बाद से काफी अनुभव हासिल किया है और अब वह कॉमेडी के ऐसे जॉनर में कदम रख रही हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आज़माया है। शशांक ने जाह्नवी के छिपे हुए कॉमिक टाइमिंग की तारीफ़ करते हुए कहा कि उन्हें यकीन है दर्शक उनकी इस नई छवि से खुश होकर चौंक जाएंगे। उन्होंने कहा, मैंने जाह्नवी कपूर के साथ पहली बार उनकी डेब्यू फिल्म 'धड़क' में काम किया था, और इतने वर्षों बाद हमें एक बार फिर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि इतने वर्षों में उनके अभिनय में काफी गहराई आ गई है। यह पहला मौक़ा है, जहां जान्हवी ने कॉमेडी जॉनर ट्राय किया है और मुझे यकीन है कि जब लोग ये फिल्म देखेंगे तो उनकी खूबसूरती के साथ उनके कॉमिक टाइमिंग की तारीफ़ किए बिना नहीं रह पाएंगे। विशेष रूप से मैं उनसे काफी प्रभावित हुआ हूँ। ऐसा माना जाता है कि कॉमेडी फिल्में या फिर इस तरह के जॉनर में रिहर्सल की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन सच तो यह है कि कॉमेडी फ़िल्में बहुत अधिक रिहर्सल मांगती हैं, जिससे परफेक्ट टाइमिंग लाई जा सके। सो हमने काफी रिहर्सल की और मुझे ख़ुशी है कि हमारी कोशिश रंग लाई है।

ट्रेलर के आज रिलीज़ होने के साथ ही जाह्नवी कपूर का 'तुलसी कुमारी' के रूप में नया रूप ताज़गी से भरपूर लग रहा है। उनकी वरुण धवन के साथ चमकती हुई केमिस्ट्री तुरंत ध्यान खींचती है, जबकि ट्रेलर में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है जो बड़े पर्दे पर जाह्नवी का नया पहलू सामने लाने का वादा करता है। जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें, तो उन्हें जल्द ही उनके दर्शक 'होमबाउंड' में देखेंगे, जिसे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में खूब सराहा जा रहा है। इसके अलावा उनकी अगली फिल्म 'पेड्डी' भी है, जिसमें वह राम चरण के साथ नजर आनेवाली हैं।

फिल्म 'नौ देवी नव दुर्गा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

एस आर के म्यूजिक प्रा. लि. के बैनर तले बनी फिल्म नौ देवी नव दुर्गा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म नौ देवी नव दुर्गा का निर्माण रौशन सिंह ने किया है। सह-निर्माता शर्मिला आर. सिंह है,जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी संजय श्रीवास्तव ने निभाई है। इस फिल्म के ट्रेलर में देवी दुर्गा के रूप में रिंकू घोष ने अपनी अदाकारी से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है। वहीं आस्था सिंह और देव सिंह भी अपने दमदार अभिनय से लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। ट्रेलर को लेकर निर्माता रौशन सिंह ने कहा कि नौ देवी नव दुर्गा केवल एक धार्मिक फिल्म नहीं है, बल्कि यह भव्यता और भक्ति का अद्भुत संगम है, जिसमें मां दुर्गा की गाथा को आधुनिक आस्था से जोड़ते हुए समाज को जागरूक करने का संदेश भी दिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि जिस तरह दर्शकों ने ट्रेलर को सराहा है, उसी तरह पूरी फिल्म को भी अपार प्यार और आशीर्वाद मिलेगा।

फिल्म नौ देवी नव दुर्गा की कहानी मां दुर्गा की गाथा को आधुनिक आस्था से जोड़कर प्रस्तुत करती है। रौशन सिंह का कहना है कि यह फिल्म केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और धार्मिक आस्था का भी संदेश देती है।

उनका दावा है कि फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ जाएगी इस फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में रिंकू घोष और रितेश उपाध्याय नजर आएंगे। इनके साथ आस्था सिंह, समरथ चतुर्वेदी, विनोद मिश्रा, देव सिंह, रूपा मिश्रा, श्रद्धा नवल और सोनिया मिश्रा जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। इसके अलावा राजेश टोमेरा, महिमा सिंह, पल्लवी सिंह, रितु चौहान, तोशी द्विवेदी, रचना सिंह, माधवी श्री, अखिलेश वर्मा, अनीता ओझा, अनामिका पांडे, सोनी राज, जे पी सिंह और अवधेश मुखिया भी फिल्म में खास संदेश देते नजर आएंगे।फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी ओम झा और आदर्श सिंह ने निभाई है। गीतों को लिखने में शेखर मधुर, राकेश निराला, विनय निर्मल, ओम झा, न्यू नागेंद्र यादव और शुभदयाल सोहरा ने योगदान दिया है।

इमरजेंसी के समय का माहौल मैंने अपनी आँखों से देखा है : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

1975 में जब इमरजेंसी लगी, तब आप नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में छात्र थे। उस दौर का अनुभव आपको जयप्रकाश नारायण का किरदार निभाने में कैसे मददगार रहा? मैं उस समय एनएसडी में था, जब इमरजेंसी लगाई गई। माहौल बेहद तनावपूर्ण था, हर तरफ डर और अनिश्चितता का माहौल था। मैंने वह सब अपनी आँखों से देखा है, इसलिए मुझे लोगों की पीड़ा को समझने के लिए कल्पना करने की ज़रूरत नहीं थी। उस दौर की यादों ने मुझे जयप्रकाश नारायण जी के किरदार से सहज रूप से जोड़ दिया, जो उस व्यवस्था के ख़िलाफ खड़े हुए थे। आपने कई इंटरव्यू में कहा कि कंगना रनौत ने सेट पर सभी कलाकारों के लिए पूरा होमवर्क किया था। बतौर निर्देशक उनकी तैयारी और दृष्टि ने आपके अभिनय को कैसे आकार दिया? सच कहूँ,

तो इस रोल के लिए मुझे ज़्यादा रिसर्च करने की ज़रूरत ही नहीं पड़ी, क्योंकि कंगना ने सब हमारे लिए कर दिया था। उन्हें साफ पता था कि हर किरदार से उन्हें क्या चाहिए और उन्होंने हमें सारी सामग्री उपलब्ध करवाई। एक एक्टर के तौर पर इससे मेरा काम आसान हो गया और मैं सिर्फ अभिनय पर ध्यान केंद्रित कर पाया। उन्होंने निर्देशक के तौर पर वाकई बहुत मेहनत की।

अब इमरजेंसी का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर ज़ी सिनेमा पर हो रहा है। दर्शकों तक इस फिल्म के पहुँचने को लेकर आप कितने उत्साहित हैं? मैं बहुत उत्साहित हूँ, क्योंकि टेलीविज़न की पहुँच भारत में बहुत बड़ी है। हर कोई थिएटर तक नहीं जा पाता, लेकिन ज़ी सिनेमा के ज़रिए देशभर के परिवार एक साथ बैठकर इस अहम अध्याय को देख सकेंगे। जब दर्शक इसे अपने घरों में देखेंगे, परिवार के साथ चर्चा करेंगे, तो यह फिल्म उनसे और गहराई से जुड़ पाएगी। मैं सभी दर्शकों से आग्रह करता हूँ कि इस शुक्रवार, 12 सितंबर को ज़ी सिनेमा ज़रूर देखें और इस क्लासिक फिल्म को अपने घर के आरामदायक माहौल में देखें। तो देखना न भूलें 12 सितंबर को रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर इस भावपूर्ण कहानी और इससे मिलने वाले संदेश को, जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | मंगलवार | 16-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

रमणाश्रम शताब्दी समारोह पर जारी हुआ 100 रुपए का स्मारक सिक्का

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री रमणाश्रम उस स्थान को कहते है जो आधुनिक संन्यासी एवं अद्वैत वेदांत के महान विचारक रमण महर्षि का निवास स्थान रहा। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई के अरुणाचल पर्वत की तराई में यह रमणा आश्रम स्थित है। सिक्को का संग्रह और अध्ययन करने वाले प्रसिद्ध मुद्राशास्त्री सुधीर लुणावत के अनुसार 14 सितंबर को श्री रमण महर्षि हेरिटेज द्वारा कैलिफोर्निया के फ्रेमोट स्थित डाउनटाउन इवेंट सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में रमणाश्रणम के अध्यक्ष डॉ. वेंकट एस रमणन ने आधिकारिक रूप से 100 रुपए के सिक्के का अनावरण किया। यह एक दुर्लभ अवसर है कि भारत सरकार द्वारा बनाए किसी सिक्के का अनावरण विदेश में हुआ है। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य लोगों के अलावा सैन फ्रांसिस्को में भारतीय महावाणिज्यदूत राकेश अदलखा, पद्म भूषण से सम्मानित सनातन कार्यकर्ता डॉ. डेविड फ्रावली (पंडित वामदेव शास्त्री), फ्रीमान्ट के मेयर राज सलवान और श्रीरमण महर्षि हेरिटेज अमेरिका की सुनीता परशुरमण के साथ क्षेत्र के श्रद्धालु विद्वान और आश्रम के प्रशंसक शामिल थे। इस सिक्को को जारी करने के लिए वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा 15 मई को एक गजट अधिसूचना भी जारी की गई थी।

विश्व ओज़ोन परत संरक्षण दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां करुणा क्लब तथा कोतवाल चावड़ी स्थित श्री कन्यका परमेश्वरी महिला महाविद्यालय के संयुक्त रूप से विश्व ओज़ोन परत संरक्षण दिवस–2025 दिनांक 15.09.2025 सोमवार सुबह कालेज के आडिटोरियम में आयोजित किया गया। जिसमें करुणा इंटरनेशनल चेन्नई केन्द्र के सचिव ज्ञानचंद कोठारी मुख्य अतिथि पधारें।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विश्व ओज़ोन परत संरक्षण विषय पर भाषण एवं पीपीटी प्रस्तुति दी। साथ ही ओजोन 3 के प्रति नाटिका द्वारा जागरूक किया। मुख्य अतिथि ज्ञानचंद कोठारी ने भाषण व पीपीटी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वालों को ट्राफी प्रदान किया।

ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि ओज़ोन परत एक ढाल की तरह काम करती है, जो हमें सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाती है। इसके बिना, पृथ्वी पर जीवन बहुत ख़तरे में पड़ जाएगा। दुर्भाग्य से, क्लोरोफ्लोरोकार्बन के अत्यधिक उपयोग और प्रदूषण जैसी मानवीय गतिविधियों के कारण ओज़ोन परत का क्षरण हुआ है। विद्यार्थियों ने भाषण में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, त्वचा रोग और पर्यावरणीय क्षति हो रही है। इसे बचाने के लिए, हमें हानिकारक रसायनों का उपयोग कम करना होगा, पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का उपयोग करना होगा और अधिक पेड़ लगाने होंगे। हम सब मिलकर इस सुरक्षा कवच को आने वाली पीढ़ियों के लिए मज़बूत और सुरक्षित बना सकते हैं। कालेज के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि ज्ञानचंद कोठारी व करुणा इंटरनेशनल के मैनेजर आनंद का शाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

राजस्थानी ओलंपियाड का हुआ भव्य समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा आयोजित तृतीय राजस्थानी ओलंपियाड 2025 का समापन समारोह रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, पेरियमेट के विशाल मैदान में हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। यह पूरा आयोजन अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ, जिन्होंने इस ओलंपियाड को समाज के एकता, ऊर्जा और खेल भावना का अद्वितीय प्रतीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यअतिथि तमिलनाडु सरकार के पूर्व मुख्य सचिव शिव दास मीना ने किया। मारुति बिल्डर्स लिमिटेड के चेयरमैन प्यारेलाल पितलिया तथा विजय सुभम बेनिफिट फंड लिमिटेड के चेयरमैन ज्ञानचंद आंचलिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय ध्वज एवं ओलंपियाड ध्वज फहराया तथा शपथ ग्रहण कराकर एथलेटिक खेलों की शुरुआत की। डॉ. निर्मल नाहटा द्वारा मशाल धारण कर समाज के सहयोग से आगे बढ़ाई गई, जिसे मुख्य अतिथि ने प्रज्वलित किया। करीब 550 विद्यार्थियों ने बैंड–बाजे के साथ भव्य मार्च–पास्ट प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस आयोजन में 40 से अधिक राजस्थानी विद्यालयों एवं संस्थाओं के 1400+ प्रतिभागियों ने 4 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक की आयु वर्ग में सक्रिय भागीदारी की। प्रतियोगिताओं में रनिंग रेस, रिले रेस, लॉन्ग जंप, हाई जंप, भाला फेंक सहित कई एथलेटिक स्पर्धाएँ शामिल रहीं। विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

सभी अतिथियों का स्वागत माला, शाल एवं स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया। स्वागत भाषण चयनित अध्यक्ष अजीत चोरड़िया ने दिया तथा महासचिव दिनेश कोठारी ने राजत की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। ओलंपियाड चेयरमैन अशोक मुंदड़ा ने पूरे आयोजन का विवरण प्रस्तुत किया। सह–सचिव दिलीप चंदन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन का दायित्व कन्वेनर अजय नाहर ने निभाया।

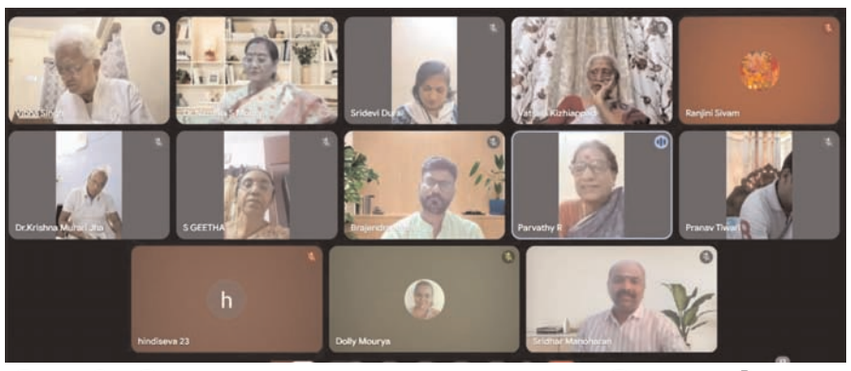

हिन्दी दिवस पर ऑनलाइन कवि सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए सक्रिय तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी ने हिन्दी दिवस के अवसर कार्यक्रम करते हुए ऑनलाइन कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में तमिलनाडु के साथ–साथ देश के अन्य राज्यों से भी कवि, कवयित्री, साहित्यकार एवं हिन्दी प्रेमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती सरला विजय सिंह ने अपने सुमधुर कंठ से माँ वीणापाणि की वंदना के साथ की। इस कवि सम्मेलन की अध्यक्षता एत्तिराज कॉलेज की पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. वत्सला किरण ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में सेलम से प्रकाशित 'शबरी समाचार' के प्रकाशक– संपादक श्रीधर ने हिन्दी के इतिहास, उसकी वर्तमान दशा–दिशा एवं भविष्य में हिन्दी की संभावित रूप–रेखा के संदर्भ में विस्तृत व्याख्यान दिया एवं हिन्दी की सेवा के लिए तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी की प्रतिबद्धता की सराहना की।

श्रीदेवी के संचालन में कवि सम्मेलन की शुरुआत बेंगलूरु के कवि ब्रजेन्द्र मिश्र 'ज्ञासु' ने अपनी कविता के साथ की। इस कवि सम्मेलन को कृष्ण मुरारी झा (जमशेदपुर) एस. गीता, रवि रंजनी सिंह, सरला विजय सिंह, विजय मोहन सिंह, डॉ निर्मला एस मौर्य, आर. पार्वती, प्रणव तिवारी, डॉ गुरुमूर्ति, श्री देवी, डॉ वत्सला किरण, डॉ राजलक्ष्मी आदि ने अपनी कविताओं के माध्यम से बुलंदी पर पहुँचाया। स्थानीय वरिष्ठ कवि विजय मोहन सिंह ने हिन्दी को भाषाई सहजता की अभिव्यक्ति का नाम दिया। अकादमी की अध्यक्ष और बीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ निर्मला एस. मौर्य ने अपने वक्तव्य में सभी हिन्दी प्रेमियों के प्रति अपनी कृतज्ञता के भाव ज्ञापित किए। अकादमी के महासचिव ईश्वर करुण ने आभार व्यक्त किया।

वृत्तियों के परिष्कार का माध्यम है बारह भावना का चिंतन : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म. सा. ने बारह भावना प्रवचन श्रृंखला के तहत सोमवार को कहा कि व्यक्ति का व्यवहार उसके विचारों का प्रतिबिंब होते हैं। व्यक्ति की प्रवृत्ति नहीं बल्कि उसके भीतर की वृत्ति विचार ही कर्म का संचय करती है। कर्मबंध का सम्बन्ध प्रवृत्ति से कम वृत्ति विचार से ज्यादा होता है। वृत्तियों के परिष्कार के लिए बारह भावना का चिंतन बेहद जरूरी है। व्यक्ति को अपने सोच विचार और संस्कारों के प्रति अत्यंत सावधान रहना चाहिए। विचारों को शुध्द परिष्कृत करने के लिए ज्ञानियों ने बारह भावनाओं का बार बार चिंतन करने की प्रेरणा प्रदान की। संसार की अनित्यता, अशरणता, संसार के दुःख स्वरूप के चिंतन का उद्देश्य आध्यात्मिक उन्नति हेतु विचारों की शुद्धता और धर्म के पालन में दृढ़ता सजगता को विकसित करना है। मुनिश्री ने कहा कि यह जीव अकेला ही जन्मता और मरता है, अकेला ही सारे पुण्य–पाप के फलों को भोगता है, जन्म से साथ रहने वाला शरीर भी अंत समय में यहीं छूट जाता है। यहाँ कोई भी जीवन भर साथ नहीं निभाता, थोड़े दिनों के ये सभी स्वार्थवश साथी बने हुए हैं परलोक में प्रयाण के समय कोई भी साथ नहीं जाता है। ऐसा विचार करता हुआ जीव तन धन परिजन आदि से राग भाव को कम करता है, उनके संयोग–वियोग में हर्ष–विषाद नहीं करता हुआ अपने स्वरूप का विचार करता है और देव गुरु धर्म के प्रति अनुराग को बढ़ाता है। इस प्रकार की भावना से अनुप्राणित व्यक्ति के मन मे भौतिक वस्तुओं के प्रति राग भाव कम होता है और उनके वियोग से उत्पन्न संक्लेश तनाव का अनुभव नही होता है क्योंकि जो अपना है ही नहीं उसके अभाव में क्यों दुःखी होना।

अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इस मौके पर संरक्षक सुभाषचंद रांका, ताराचंद दूगड़, शांतिलाल सिंघवी, विजयकुमार कोठारी, शांतिलाल संकलेचा सुनील भड़कतिया, अशोक छाजेड आदि सहित श्रद्धालुगण उपस्थित थे। धर्मसभा का संचालन संघमंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

सही सलाहकार जीवन में सही राह बताते हैं : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजित डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने सोमवार को प्रवचन के दौरान परदेसी राजा की कथा का उल्लेख करते हुए सही सलाहकार के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जैसे चित सारथी ने परदेसी राजा का जीवन बदल दिया, वैसे ही जीवन में यदि सलाहकार अच्छा हो तो किसी का भी कल्याण संभव है। उन्होंने कहा, ज्ञानीजन ने हमेशा कहा है कि सलाहकार अच्छा, समझदार और शांत–ज्ञानी होना चाहिए, जो सही राह दिखाए। राजा कैसा है, यह महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि उसका सलाहकार कैसा है, यह सबसे बड़ा विषय है। गाड़ी कितनी बड़ी है, यह मायने नहीं रखता, बल्कि ड्राइवर कैसा है यह मायने रखता है। नेता बड़े–बड़े हों, मगर यदि उनके सलाहकार सही हों तो समाज की दिशा भी सही रहती है।

डॉ. मुनिश्री ने आगे कहा कि सच्चा सलाहकार वही है जो कठिन से कठिन परिस्थिति में भी सही सलाह दे। चाहे सामने दुश्मन ही क्यों न खड़ा हो, सलाहकार का कर्तव्य है कि वह उसे भी धर्ममार्ग दिखाए। यही चित सारथी ने किया। एक हत्यारे राजा को भी धर्म का मार्ग दिखाया और उसके जीवन में परिवर्तन ला दिया। उन्होंने कहा कि सलाहकार बनो तो ऐसे बनो जो धर्म का मुनाफा कराए, जो अच्छाई का प्रसार करे। गलत आदतें, पाप या बुरी प्रवृत्तियां दूसरों को मत बाँटो, बल्कि अपनी अच्छाई और गुणों को ट्रांसफर करते रहो। अपनी बुराइयों को भी यदि रोक सको और किसी तक पहुँचने से बचा सको, तो वही सच्चा परोपकार है। प्रवचन में उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म का मुनाफा कराना ही असली उद्देश्य होना चाहिए। यदि अच्छाई बाँटी जाए तो एक अच्छा व्यक्ति और भी महान बन सकता है। वहीं, यदि बुराई फैलाई जाए तो एक गलती इंसान को और बड़ा पापी बना सकती है। जीवन में दोनों रास्ते सामने होते हैं – एक धर्म का और एक पाप का। किस दिशा को चुनना है यह इंसान की अपनी सोच और सही सलाह पर निर्भर करता है। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

संसार में व्यक्ति गलतियों का पुतला है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनि कमलेशजी ने सोमवार को तपस्वी सक्षम मुनिजी के पारणोत्सव में कहा कि संसार में रहने वाला प्रत्येक प्राणी अपूर्ण है। संत हो अथवा श्रावक सब के अंदर बहुत सारी कमियां उसमें होना संभावित है। जिसमें कोई कमी नहीं होती वह तो साक्षात परमात्मा का दूसरा रूप होता है। उनकी तुलना सामान्य व्यक्ति से करना बुद्धि का दिवालियापन है। उन्होंने कहा कि कमजोरी और कमियों को देखकर, जो व्यक्ति उस व्यक्ति को बार–बार टॉर्चर करता है ब्लैकमेल करने का प्रयास करता है दुर्भावना से देखता है वह कसाई से भी खतरनाक है।

मुनि कमलेश ने बताया कि व्यक्ति को सागर के समान गंभीर होना चाहिए, कमियों को अपने अंदर मन में पचा ले और अच्छाइयों को उजागर करें, इससे बड़ा महान तप और कोई नहीं हो सकता। आंखों देखा और कान से सुना भी झूठा हो सकता है। जो सुनी सुनाई बातों को प्रचारित करता है और अपने आप को पूर्ण मान लेता है वह अधर्म और पाप है। जैन संत ने कहा कि किसी के गुप्त रहस्य को प्रकट करने पर वह हीन भावों से ग्रसित होकर आत्महत्या कर सकता है। कमियां गिनाने के बजाय उनका प्रेम से सुधारने का प्रयास करने वाला सच्चा ज्ञानी है। महावीर एल्वामा गौशाला जैन दिवाकर कमल तीर्थ डूंगला के प्रमुख उत्सव भणावत, रमेश मेहता, मांगीलाल जरौली, दुर्गा शंकर शर्मा का संघ की ओर से महामंत्री डॉक्टर संजय पिचा, कोषाध्यक्ष जितेंद्र भंडारी ने स्वागत किया गया।

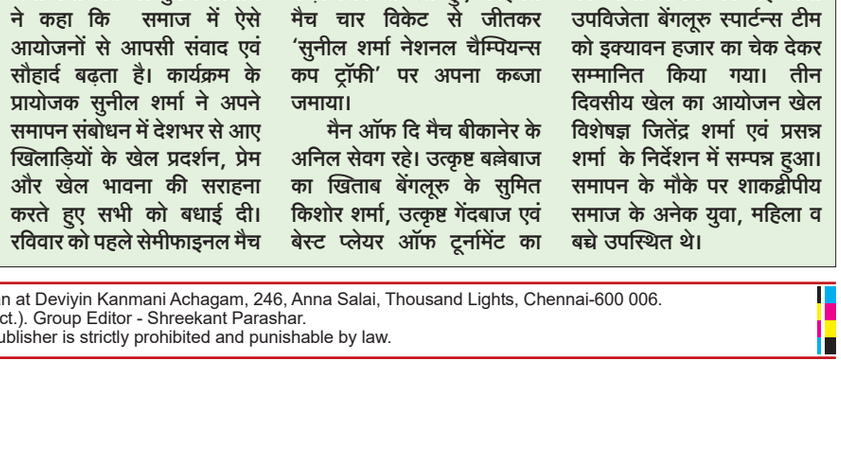

बीकानेर टीम बनी 'सुनील शर्मा नेशनल चैम्पियन्स क्रिकेट कप' विजेता

बेंगलूरु स्पार्टन्स टीम बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय सुनील शर्मा राष्ट्रीय चैम्पियन्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी तेजराज शर्मा उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज में ऐसे आयोजनों से आपसी संवाद एवं सौहार्द बढ़ता है। कार्यक्रम के प्रायोजक सुनील शर्मा ने अपने समापन संबोधन में देशभर से आए खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन, प्रेम और खेल भावना की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी। रविवार को पहले सेमीफाइनल मैच में बेंगलूर स्पार्टन्स टीम ने चेन्नई बी. को हराया और दूसरे सेमीफाइनल में शाकद्वीपीय राइजिंग स्टार बीकानेर की टीम रायपुर की भास्कर द्वितीय टीम से हार गई। फाइनल मुकाबला बेंगलूरु स्पार्टन्स और शाकद्वीपीय राइजिंग स्टार बीकानेर टीम के बीच हुआ जिसमें बीकानेर की टीम ने अपना उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुए बेंगलूरु स्पार्टन्स टीम को कड़ी शिकस्त देते हुए फाइनल मैच चार विकेट से जीतकर 'सुनील शर्मा नेशनल चैम्पियन्स कप ट्रॉफी' पर अपना कब्जा जमाया।

मैन ऑफ दि मैच बीकानेर के अनिल सेवग रहे। उत्कृष्ट बल्लेबाज का खिताब बेंगलूरु के सुमित किशोर शर्मा, उत्कृष्ट गेंदबाज एवं बेस्ट प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट का खिताब बीकानेर के जेके शर्मा ने जीता। मुख्य अतिथि तेजराज शर्मा, राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा का पाली से आए बसंत शर्मा, पुष्कर राज शर्मा, कमलेश शर्मा एवं अरुण शर्मा ने सम्मान किया। ट्रॉफी वितरण कार्यक्रम में प्रायोजक सुनील–संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा द्वारा विजेता बीकानेर टीम को ट्रॉफी व आई–10 कार की चाबी प्रदान की गई तथा उपविजेता बेंगलूरु स्पार्टन्स टीम को इक्यावन हजार का चेक देकर सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय खेल का आयोजन खेल विशेषज्ञ जितेंद्र शर्मा एवं प्रसन्न शर्मा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। समापन के मौके पर शाकद्वीपीय समाज के अनेक युवा, महिला व बच्चे उपस्थित थे।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत की युवा शाखा के सदस्यों ने रविवार को शिवमोग्गा में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी साध्वी मणिप्रभाजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सदस्यों ने प्रवचन श्रवण का लाभ लिया और धर्मचर्चा में सहभागी होकर आत्मिक शांति का अनुभव किया। प्रांतीय युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली ने युवा शाखा द्वारा किए जा रहे कार्य एवं योजनाओं की जानकारी दी तथा महामंत्री किशोर बाफना ने शिवमोग्गा संघ को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा कानून सलाहकार मंत्री विशाल छल्लानी, पूर्व युवा प्रमुख मार्गदर्शक सुनील लोढ़ा, कोषाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया, सहकोषाध्यक्ष सुनील बम्ब, प्रांतीय संगठन मंत्री शंकर दक सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मृत्यु को महोत्सव बनाना सिखाती है भागवत : पंडित पवन शर्मा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शांतिनगर में लुनावत भवन में श्रीराम सेवा समिति के तत्वावधान में भागवत कथा का शुभारंभ हुआ जिसमें पंडित पवन शर्मा कथा का रसास्वादन करा रहे हैं। शुभारंभ के मौके पर कलश यात्रा निकाली गई जिसमें महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया।

भागवत कथा के प्रथम दिवस की कथा में पंडित पवन जी ने कहा कि रामायण मनुष्य को जीना सिखाती है और भागवत मरना। धुंधुकारी जैसे दुष्ट ने भी भागवत कथा के श्रवण से मुक्ति प्राप्त की थी। भागवत कथा हमें मृत्यु को महोत्सव बनाना सिखाती है। कथावाचक ने कहा कि पितृपक्ष में भागवत श्रवण से पितृ को तृप्ति प्राप्त होती है। कथा हमारे जीवन को शुद्ध बनाती है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.